डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शुक्रवार 3 मार्च,2023 वर्ष–07 / अंक–287 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

सीएम कोनराड संगमा ने किया अमित शाह को फोन

मेघालय के चुनाव परिणाम घोषित हो चुके हैं। यहां किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। हालांकि एनपीपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसी बीच, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया है। संगमा ने नई सरकार बनाने में उनका समर्थन मांगा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी।

सरमा के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मेघालय में अगली सरकार बनाने में नेशनल पीपुल्स पार्टी का समर्थन करने के लिए भाजपा मेघालय को सलाह भी दे दी है।

मेघालय में 60 में से 59 सीटों पर चुनाव हुए थे। एक सीट पर एक प्रत्याशी की मौत के चलते चुनाव रद्द हो गया। 59 सीटों पर हुए चुनाव के नतीजों ने आज सभी को हैरान कर दिया। किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। एनपीपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इनके 25 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर यूडीपी रही। इनके 11 उम्मीदवार चुनाव जीत गए। भाजपा के तीन, टीएमसी के पांच, कांग्रेस के पांच, एचएसपीडीपी, पीडीएफ के दो–दो उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। दो निर्दलीय विधायक भी चुने गए। वाइस ऑफ द पीपल पार्टी के चार उम्मीदवार चुनाव जीत गए।

पीएम मोदी और यात्रा बनेंगे भाजपा के चुनावी सारथी

केंद्र की सत्ता की जंग का सेमीफाइनल माने जा रहे इस साल के विधानसभा चुनावों में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा सभी चुनावी राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यात्राओं का सहारा लेगी। यात्राओं और प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे का बेहतर परिणाम सामने आने के बाद पार्टी ने इस साल होने जा रहे छह राज्यें में ऐसी ही यात्राओं के आयोजन के साथ प्रधानमंत्री के चेहरे का इस्तेमाल करेगी।

भाजपा सूत्रों ने कहा कि त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में पार्टी को जन विश्वास रथ यात्रा का व्यापक लाभ मिला। युवाओं और महिलाओं में पीएम के प्रति व्यापक आकर्षण के कारण उनकी अचानक बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के दूसरी रैली कराई गई। मध्यप्रदेश में जारी विकास यात्रा और राजस्थान की जन आक्रोश यात्रा को भी बेहतर समर्थन मिला है। चूंकि इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है, ऐसे में पार्टी ने इस साल सभी चुनावी राज्यों में अलग–अलग नाम से यात्रा निकालने की योजना बनाई है। इस पर जल्द काम शुरू किया जाएगा।

जहां सत्ता, वहां उपलब्धियों का प्रचार

यात्राओं के संदर्भ में अलग–अलग राज्यों में पार्टी की रणनीति अलग–अलग है। जिन राज्यों में पार्टी सत्ता में है, वहां इसकी योजना सरकार की उपलब्धियां और प्रधानमंत्री के चेहरे को भुनाने की है। इसी तर्ज पर यात्राओं के नाम रखे गए हैं। मसलन सत्ता वाले राज्य मध्यप्रदेश में पार्टी विकास यात्रा, कर्नाटक में विजय संकल्प यात्रा निकाल रही है। त्रिपुरा में जन विश्वास यात्रा निकाली। जहां पार्टी सत्ता में नहीं है, वहां उसका जोर सरकार की नाकामियां गिनाने पर है, इसलिए पार्टी ने राजस्थान में जनआक्रोश यात्रा, तेलंगाना में प्रजा गोसा, भाजपा भरोसा यात्रा निकाल रही है।

मोदी की रैली से होगा यात्रा का समापन

इसी रणनीति के तहत बुधवार को तेलंगाना में प्रजा गोसा प्रजा भरोसा यात्रा तो कर्नाटक में विजय संकल्प यात्रा की शुरुआत की गई। कर्नाटक में राज्य के चार कोनों से चार यात्रा निकलेगी। दोनों ही राज्यों में यात्रा का समापन प्रधानमंत्री मोदी की रैली से होगा। पार्टी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी अप्रैल–मई–जून में नई यात्राओं की शुरुआत करेगी।

जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने देर रात जेल मे मारा छापा

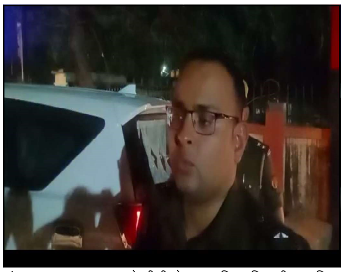

बांदा। मण्डल कारागार मे बीती देर रात जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अचानक छापा मारा और जेल मे निरूद्ध माफिया मुख्तार अंसारी की बैरक का सघन निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर देर रात जिलाधिकारी दीपा रंजन के साथ औचक निरीक्षण किया। उन्होने बताया कि जेल की सभी बैरकों की सघन तलाशी ली गयी लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नही मिली। उन्होने कहा कि लगभग ढाई घण्टे तक कार्रवाई जारी रही। एसपी ने बताया कि मुख्तार अंसारी के यहां निरूद्ध होने के कारण विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बताया कि सघन तलाशी के पश्चात जेल प्रशासन को लगातार सचेत रहने के निर्देश दिए गये हैं। कहा कि जेल मे लगे सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं अथवा नही इसकी भी जांच करायी गयी। यह पूंछे जाने पर कि जेल मे बंदियों से मुलाकात करने वालों की जांच किस तरह होती है उन्होने कहा कि प्रत्येक मुलाकाती की सघन चेकिंग के अलावा उनका आधार कार्ड व अन्य कागजातों को देखने के बाद ही मुलाकात कराई जाती है। कहा कि माफिया व अपराधियों से मुलाकात करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है ताकि जेल के अंदर कोई भी अवैध वस्तु न पहुंच सके।

बिसंडा ब्लॉक के भदावल प्रधान की पत्नी को मिला पीएम आवास

बांदा। प्रदेश सरकार के कडे निर्देश के बावजूद कुछ ग्राम प्रधान व सचिव सुधरने का नाम नही ले रहे हैं। विकास खण्ड बिसंडा की ग्राम पंचायत भदावल इसका जीता–जागता नमूना है। यहां के वर्तमान ग्राम प्रधान ब्रजेश यादव काफी संपन्न होने के बावजूद पत्नी सीता के नाम प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराकर इसका निर्माण कराने मे सफल रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि ग्राम प्रधान की पत्नी सीता की आईडी नंबर 135900973 के तहत आवास प्राप्त कर लिया है। इतना ही नही प्रधान ने अपने भाईयों एवं चहेतों के नाम भी प्रधानमंत्री आवास बनवाए हैं। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग भी की थी लेकिन ब्रजेश यादव प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष होने के चलते इन्होने अपने रसूक का इस्तेमाल कर अनियमित तरीके से परिवार के लोगों को अपात्र होने के बावजूद आवास से लाभान्वित कराया है। गांव के लोगों का यह भी कहना है कि भाजपा सरकार होने के बावजूद यह आज भी ग्राम पंचायत के विकास के लिए भेजी गयी धनराशि का बंदरबांट कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि सपा सरकार के दौरान इन्होने कई ऐसे कार्य किए हैं जो पूरी तरह अनियमितता की श्रेणी मे आते हैं। शासनादेश के अनुसार किसी ग्राम प्रधान को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास देना घोर अनियमितता है लेकिन खण्ड विकास अधिकारी एवं पंचायत सचिव की सांठ–गांठ के चलते सभी नियमों को दर किनार कर ग्राम प्रधान की पत्नी के नाम पीएम आवास किस बिना पर स्वीकृत किया गया अपने आप मे प्रश्न चिन्ह है। ग्रामीणों ने इस मामले पर जिलाधिकारी से जांच कराकर दोषी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है।

ब्लॉक दिवस महज खानापूरी, मौजूद मिले सिर्फ एडीओ आईएसबी

जलालाबाद कन्नौज

शासन ने तहसील दिवस की तर्ज पर ब्लॉक स्तर पर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए माह के प्रथम व तृतीय बुधवार को ब्लॉक दिवस का आयोजन करने के निर्देश दिए है। लेकिन जमीनी स्तर पर ब्लॉक दिवस इन सब परिणामो से इतर है। ऐसे में बैठने वाले सक्षम अधिकारी सभी गायव रहते है मौजूद रहने वाले एक दो कर्मचारी खाना पूर्ति कर रवानगी कर लेते है। बुधवार को ब्लॉक दिवस में महज दो शिकायत दर्ज हुई। जो कि ग्राम तेरारागी निवासी रामरती पत्नी राधेश्याम ने परिवार रजिस्टर नकल व आवास की माँग की।

दोपहर लगभग एक बजकर तीस मिनट पर एडीओ आईएसवी राजीव दीक्षित के अलावा सभी अधिकारी गायब दिखे। चाहे फिर खंड विकास अधिकारी,शिक्षा अधिकारी,चिकित्सा अधिकारी या अन्य विभाग से संवंधित अधिकारी कोई मौजूद नही मिला। जब इस संबंध में मौजदू एडीओ आईएसवी से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि वीडीओ साहब के बैठने का समय निर्धारित नही है। कार्यालय में बैठने का समय दस बजे से वारह बजे तक है। दो विकासखंड का चार्ज होने की बजह से समय निर्धारित नही हो पाता है। जिस जगह जैसा काम उस अनुसार समय निर्धारित किया जाता है और सचिव व अन्य की मीटिंग में होने की बात कही।

दिल्ली पुल बंगश मेट्रो स्टेशन के पास फैक्टरी में लगी आग, 20 से ज्यादा दमकल वाहन मौके पर

दिल्ली के पुल बंगश मेट्रो स्टेशन के पास बुधवार को रोशन आरा रोड पर स्थित एक फैक्टरी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां भीषण आग लग गई। आग लगते ही इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद दमकल विभाग की 18 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस वक्त दमकल वाहन आग बुझाने का कार्य कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह आग लगभग 11.50 बजे लगी। आग लगने से धुआं इतना ज्यादा उठ रहा है कि पूरे इलाके में धुएं का गुबार देखा जा रहा है।आग कैसे लगी और इसमें कितना नुकसान हुआ इसकी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। अब तक इस मामले में किसी भी जनहानि की कोई खबर नहीं है।

राहुल बोले- लोकतांत्रिक माहौल को बढ़ावा देने के लिए नई सोच जरूरी, जानें और क्या कहा

लंदन ।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में अपने व्याख्यान के दौरान सुनने की कला (art of listening) पर जोर दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक माहौल को बढ़ावा देने के लिए नई सोच का आह्वान किया। हमें जबरन डाले जाने वाले दबाव का विरोध करना होगा। राहुल ने हालिया वर्षों में भारत और अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देशों में विनिर्माण में गिरावट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस बदलाव ने बड़े पैमाने पर असमानता और नाराजगी को जन्म दिया है। इस पर तत्काल ध्यान देने और बात करने की आवश्यकता है।केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद कैंब्रिज जज बिजनेस स्कूल (कैंम्ब्रिज जेबीएस) के विजिटिंग फेलो हैं। उन्होंने मंगलवार शाम को 21 वीं सदी में सीखने के विषय पर विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम ऐसे ग्रह का खर्च नहीं उठा सकते, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत काम नहीं कर सकता। इसलिए हमें इस बारे में नई सोच की जरूरत है कि आप कैसे लोकतांत्रिक वातावरण में काम कर सकते हैं, बजाय जबरन दबाव वाले वातारण के।

कैंब्रिज जेबीएस ने कहा कि एमबीए छात्रों के लिए गांधी का व्याख्यान दुनिया भर के लोगों के महत्व के इर्द–गिर्द रहा। ऐसे लोग जो 21वीं सदी में नई चिंताओं को सुनने का एक तरीका खोज रहे हैं। श्सुनने की कलाश जब लगातार और लगन से की जाती है, तो बहुत शक्तिशाली होती है।राहुल गांधी ने लेक्चर की शुरुआत भारत में पूर्वाग्रह, बेरोजगारी और बढ़ती असमानता पर ध्यान आकर्षित करने के लिए सितंबर 2022 से जनवरी 2023 तक 12 राज्यों में लगभग 4,000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा की रूपरेखा के साथ की। उन्होंने कैंब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र सभा को यह भी समझाया कि श्यात्राश एक सफर या तीर्थयात्रा की तरह है, जिसमें लोग खुद को सीमित कर देते हैं, ताकि वे दूसरों को सुन सकें।द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से विशेष रूप से सोवियत संघ के 1991 के पतन के बाद से अमेरिका और चीन के दो अलग–अलग दृष्टिकोण पर भी लेक्चर में बात की गई।

संघर्षो से लड़कर आगे बढ़ने वाला ही विजेता : कैलाश नाथ तिवारी

कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते समय अनेक संघर्षों का मुकाबला करना पड़ता है। संघर्षों से लड़ कर आगे बढ़ने वाला ही विजेता कहलाता है। इसलिए संघर्षों का डटकर मुकाबला करना चाहिए। प्राथमिक विद्यालय महमदपुर, बदलापुर जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अल्मोड़ा, उत्तराखंड के प्रोजेक्ट डायरेक्टर कैलाश नाथ तिवारी ने उपरोक्त बातें कहीं। कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय तिब्बती विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ बाबूराम त्रिपाठी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक लोग आज बड़े–बड़े पदों पर आसीन है। स्कूल के प्रधानाध्यापक राजीव पांडे और की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज इस विद्यालय के बच्चे हर प्रतियोगिताओं में विद्यालय और गांव का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रवक्ता डॉ विजय शंकर तिवारी और वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुभाष चंद्र पांडे ने भी बच्चों को उत्साहित करते हुए प्रेरित किया। कार्यक्रम की सहयोगी के रुप में शिक्षामित्र नीलम देवी उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का संचालन मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को सभी ने स्वीकारा

भारत की जी–20 की अध्यक्षता के सकारात्मक प्रभाव और भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को स्वीकार किया गया है। हम उम्मीद करते हैं कि अगले कुछ महीनों में एफआईआई से बाजार में निवेश फिर से शुरू हो जाएगा, क्योंकि सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश का आकर्षण वैश्विक नकारात्मकता से अधिक है।सितंबर, 2022 के आसपास इस बात को लेकर भारी सहमति थी कि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक मंदी आएगी। 2023 के आर्थिक विकास में तेजी से गिरावट शीघ्र ही इतिहास की सबसे अनुमानित मंदी बन गई। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और निश्चित आय एवं इक्विटी बाजारों, दोनों में तेज नुकसान के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था 2022 में बढ़ती रही। आशंका यह थी कि मंदी 2023 में आएगी और पहले बाजार में गिरावट आएगी और फिर दूसरी छमाही में उछाल आएगा।लेकिन जैसा कि आम तौर पर बाजारों में होता है, हमने जनवरी में ही बाजारों में उछाल देखा, क्योंकि अमेरिकी बाजारों में इस उम्मीद से आठ फीसदी की वृद्धि हुई कि आसन्न मंदी और गिरती मुद्रास्फीति मार्च तक फेड (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) को ब्याज दर बढ़ाने से रोक देगी। इसके बाद फरवरी में गिरावट आई, क्योंकि मजबूत अर्थव्यवस्था, तंग श्रम बाजार और मुद्रास्फीति में धीमी गिरावट से यह डर पैदा हुआ कि फेड के ब्याज दरों में ठहराव स्थगित हो जाएगा। यहां तक कि अमेरिका और यूरोप में उपभोक्ता और व्यापार के विश्वास में सुधार और पीएमआई (पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स) की संख्या बढ़ने के साथ बहुप्रतीक्षित मंदी की आशंका भी घटती प्रतीत होती है।यह देखना सुखद है कि बाजार और फेड की अपेक्षा बेहतर ढंग से संबद्ध हैं, मजबूत आर्थिक विकास से पता चलता है कि मुद्रास्फीति को उन स्तरों पर वापस आने में अधिक समय लग सकता है, जो एफओएमसी के अनुरूप हैं। फेड का श्हाइयर फॉर लॉन्गरश का संदेश अंततः बाजारों में परिलक्षित हो रहा है। फरवरी, 2020 से पहले के तीन वर्षों के दौरान बाजार को प्रभावित करने वाली घटनाओं को देखते हुए हम बाजार की उलझनों को समझ सकते हैं। कोविड लॉकडाउन, तेजी से बदलते श्रम बाजार, मौद्रिक नीति में बड़े पैमाने पर उतार–चढ़ाव और यूरोप में युद्ध के साथ–साथ चीनी नेताओं के कामकाज की अनिश्चितता, सभी ने आर्थिक चक्र की स्थिति को पेचीदा बना दिया है।इस सब में, भारतीय बाजार ने फरवरी में ही निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को नष्ट होते देखा है, क्योंकि बीएसई सेंसेक्स में लगभग 2,500 अंक की गिरावट आई है। एनएसई निफ्टी 17,350 के बजट दिन के निचले स्तर के करीब है। भारतीय शेयर बाजार के कमजोर प्रदर्शनों के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक कारक मुद्रास्फीति है, जो फेड और अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा उच्च दरों और ब्याज दरों में और वृद्धि के पूर्वानुमान के लिए जिम्मेदार है। जनवरी में मजबूती दिखने के बाद अमेरिकी बाजारों में पिछले चार हफ्तों से गिरावट जारी है। दूसरा कारक, अमेरिकी डॉलर में नए सिरे से मजबूती है। जब अमेरिकी डॉलर अन्य मुद्राओं की तुलना में ऊपर जाता है, तो हम उभरते हुए बाजारों में मुद्रा का आउटफ्लो (बहिर्वाह) देखते हैं। इन्हीं दोनों कारकों से जुड़ा तीसरा कारक, भारत में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की बिकवाली के कारण जारी बहिर्वाह है। बीते एक जनवरी से पिछले हफ्ते तक एफआईआई की बिकवाली के कारण 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई है। यह निवेशकों की ध ारणा को कमजोर कर रहा है।

जनवरी में मासिक आधार पर भारत की मुद्रास्फीति में वृद्धि ने यह आशंका बढ़ा दी है कि रिजर्व बैंक अप्रैल की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में दरों में और वृद्धि करने के लिए मजबूर होगा। यह अर्थव्यवस्था में विकास की गति को कम कर सकता है, जो वैश्विक कारकों के साथ–साथ आरबीआई द्वारा दरों में वृद्धि के कारण पहले से ही धीमा रहा है।

खपत के मोर्चे पर ग्रामीण खपत अब भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। पिछले साल की तरह इस साल भी असामान्य गर्मी गेहूं की उपज को कम कर सकती है। इससे खाद्यान्न की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है और यह उच्च मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है। मानसून को लेकर ज्यादा चिंताएं हैं, जहां अल नीनो के साथ लू की शुरुआत खराब मानसून का संकेत दे रही है। हमने हाल ही में बंगलूरू में वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की जी–20 बैठक में अपने देश की प्रशंसा सुनी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि व्यापक आर्थिक संतुलन और सुधारों पर विशेष सामंजस्य ने भारत को बेहतर स्थान बनने में मदद की है। उन्होंने भारत द्वारा डिजिटलाइजेशन को आगे बढ़ाने के तरीके की सराहना करते हुए कहा कि इसने भारत के विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। भारत को सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और निजी क्षेत्र के फलने–फूलने, दोनों के लिए आधार रूप में डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के उदाहरण के रूप में देखा जाता है। जी–20 देश भारत के इन सबक को साझा करने के इच्छुक हैं। बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि एक नियम आधारित विश्व व्यवस्था में वैश्वीकरण और आपूर्ति शृंखला के जुड़ाव से लाभ उठाना किस तरह से पोषण और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले तीस वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था तीन गुना बढ़ी है। इसके सबसे बड़े लाभार्थी चीन और उभरते बाजार रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर चौगुनी हुई है, जिससे गरीबी में कमी आई है। विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं दोगुनी हुई हैं। बैठक में एक ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था की रक्षा करने की आवश्यकता जताई गई, जो सामंजस्यपूर्ण तरीके से कार्य करे।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

भाग्य देवता व कर्म देवता

भगवान शिव की सदा जय हो ,एक बार भाग्य देवता ने कर्म देवता से कहा .'प्राणी के भाग्य में जो लिखा हैं वही होता हैइस पर कर्म देवता ने मानव जाति को संदेश दिया प्राणी तेरे हाथ में तेरा अपना कल ष्भाग्य देवता ने एक व्यक्ति के भाग्य में सिर्फ 5 रुपये और 1 घोडा लिख दिया। व्यक्ति दिनभर मेहनत करता और कमाई सिर्फ पांच रूपए होतीअब वही व्यक्ति जिसके भाग में पांच रूपए और घोडा था गरीबी में जिंदगी गुजर रहा था यह सब कर्म वाले देवता देख रहे थे, एक दिन कर्म ने भेष बदला और उसी व्यक्ति के पास पहुंचे, जिसकी किस्मत में सिर्फ पांच रूपए और एक घोडा ही लिखा था और उससे पूछा तुम इतने परेशान क्यों हो इस पर उस आदमी ने कहा " दिनभर की मेहनत के बाद भी अपने परिवार और इस घोड़े का पेट पलना भारी पड़ता है "तब कर्म ने कहातुम ये घोडा बेच क्यों नही देते और जो तुम्हारे पास पांच रूपए है उन्हें भी खर्च कर दो, जो होगा देखा जाएगा।ये बात उस आदमी के दिमाग में लग गयी उसने घोडा बेच दिया और पांच रूपए भी खर्च कर दिए. जबकि उसकी किस्मत में था की पांच रूपए और घोडा उसके पास रहेगा तो वही हुआअगले दिन घोडा अपने आप उसके आ गया और कमाई पांच रूपए हुईवही कार्य उस व्यक्ति ने दोबारा दोहराया नसीब के अनुसार वही हुआ जो होना थावह रोज अपने घोड़े को बेच देता और 5 रूपए भी खर्च कर देता ,अगले दिन भाग्य के कारण फिर उसे घोड़ा और 5 प्राप्त फिर हो जाता,

पहले वह खर्च नहीं करता था इसलिए गरीब रहता था लेकिन अब वह 5 रूपए एवं घोड़ा बेचकर रोज आए पैसों को अपने ऊपर खर्च कर एक आरामदायक जिंदगी व्यतीत करने लगे भाग्य के कारण रोज उसके पास 5 रूपए और घोड़ा वापस आ जाता था तो देखा भाग्य और कर्म का समन्वय कैसे व्यक्ति को सफलता दिलाता हैतकदीर जो कि होती ही हैं, इसे नकारा नही जा सकता हैभाग्य मे है वह भाग कर आएगा , मेहनत और समझदारी से किस्मत के प्रभाव को अपने हक में किया जा सकता,यही सचाई है,हमारी परिस्थिति चाहे जितनी भी विपरीत हो जाए हममे इस समय भी जीतने का जुनुन और ना हारने की कला हो तो यह बिल्कुल मुमकिन हैं कि हम सबकुछ बदल सकते है।

सही दिशा निर्देश पाकर कर्म के द्वारा व्यक्ति भाग्य को बढ़ा सकता है अथवा गलत दिशा में जा कर भाग्य को लंगड़ा बना सकता हैष्

चाणक्य ने कहा है ष्कुछ लोग कहते है के जब किस्मत ही सबकुछ है तो मेहनत करना बेकार है लेकिन अगर किस्मत में ये लिखा हो के कोशिश करने पर ही मिलेगा तब क्या करोगे,दोस्तो यह सही है भाग्य उस लोहे कि तरह वहीं खिंचा चला जाता है जहाँ कर्म का चुम्बक हो. हम भाग्य के अधीन नहीं हैं हम तो स्वयं भाग्य के निर्माता हैं. यदि आप कर्मयोगी बनेंगे तो भाग्योदय हो ही जाता है। इसलिए कर्मयोगी बनिए।सदैव प्रसन्न रहिये।

जो प्राप्त है, वो पर्याप्त है भगवान शिव की सदा जय हो भगवान शिव पर विश्वास करें भगवान शिव अवश्य कृपा करेंगे !

चुनावी व्हाट्सएप ग्रुप मुख्यालय(व्यंग्य)

तोताराम जी नामी–गिरामी,पहुंचे हुए नेता हैं। बेचारे पिछले चुनावों में पटखनी खा गए थे। उससे पहले भी वो दो बार नहीं जीत पाए थे। मगर इस बार उनके इरादे बड़े बुलंद हैं। उनके पास दमदार एंड्रॉयड मोबाइल है। मोबाइल से चुनावों में आती क्रांति है, शेष सब भ्रांति है।इस बार हर हाल में चुनाव जीतना है। टारगेट फिक्स है। करोड़ों वोटरों तक पहुंचना है लेकिन उनकी समस्या यह है कि वे मोटे बहुत हैं। सरकारी माल खा–खाकर उनकी तोंद निकल आई है। इसलिए मोबाइल को उन्होंने चुनावों का तारणहार बनाया है। व हजारों लाखों वोटरों की बजाय करोड़ों वोटरों तक मोबाइल से पहुंचेंगे। चुनावों में समय भी कम बचा है, वैसे भी एक–एक घर नहीं नापा जा सकता। मास्टर प्लान तैयार है। भाड़ में गई ऑनग्राउंड कैंपेनिंग। सारा फोकस ऑनलाइन कैंपेनिंग पर है। उनको पता है आजकल युवाओं को चुनावी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं है। इसलिए व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम ही उनके चुनावी हथियार हैं। विपक्षी पार्टी पर अब व्हाट्सएप डिजीटल हमला होगा और इस व्हाट्सएप पर ही चुनावी हर जुमला होगा। हर क्षेत्र के लिए धड़ाधड़–फड़ाफड़ सोशल मीडिया पेज के पेज बनाये जा रहे हैं। सोशल मीडिया के लिए रिक्रूटमेंट जारी है। बेरोजगारी चुनावों से पहले ही खत्म कर दी गई है। अभी और टीम बनाई जानी है, क्योंकि सोशल मीडिया टीम में ही चुनावों की आनी–जानी है। कुछ टीमें बनाई जा चुकी हैं। कुछ रिक्रूटमेंट और होने हैं। जिम्मेदारियां दी जानी है। चुनावों से पहले ही मंत्री जी ने प्रोफेनल्स की भर्ती निकाल दी है। युवा वर्ग चुनावों से पहले रिक्रूटमेंट के लिए उत्साहित है। चुनावों से पहले इतना बड़ा रिक्रूटमेंट, तो चुनावों के बाद तो नौकरियों की बहार तय है। कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिजाइनर, विडियो एडिटर, कार्टूनिस्ट वाह वाह क्या बात है। सोशल हैंडल की मॉनिटरिंग के लिए भी रिक्रूटमेंट हो रहा है। नौकरियों की कोई कमी नहीं है। एनालिस्ट भी रिक्रूटमेंट हो रही है। तोताराम जी नहा–धोकर इंटरव्यू ले रहे हैं। वो इंटरव्यू में इंटरव्यूअर बनकर हरेक इंटरव्यूवी से एक ही प्रश्न पूछ रहे हैं कि–श सोशल मीडिया पर उनकी पार्टी के लिए फॉलोअर्स कैसे बढ़ाओगे ? उनके हैंडल पर किस तरह की पोस्ट डालोगे ? इंटरव्यूवी इंटरव्यूअर को सटीक व शडिसिप्लिनड वेश में जबाब दे रहे हैं–श हम पार्टी की 15 साल पहले की उन उपलब्धियों को भी गिनायेंगे जो कि पार्टी की उपलब्धियां कभी रही ही नहीं हैं। उन योजनाओं को भी प्रचारित–प्रसारित करेंगे जो कि कभी चलाई ही नहीं गई। हम जनता के बीच जुमलों (जुमला कोटेड) से बनी रेवड़ियां बनाकर फेंकेंगे। जनता इन रेवड़ियों को चाटेगी और वोट सिर्फ और हमारी पार्टी को और हमें ही देगी। हैंडल पर सिर्फ और सिर्फ रेवड़ियाँ ही बरसेंगी। बीच–बीच में एकाध रसगुल्ला टाइप रेवड़ी भी फेंक देंगे। बूथ–बूथ पर व्हाट्सएप ग्रुप का टारगेट होगा। हम पोस्ट पर पोस्ट शेयर करेंगे। ट्वीट पर ट्वीट पसरा देंगे। इतने ट्वीट पसरायेंगे कि ट्वीट की नीली चिड़िया को भी शचिड़–चिड़श(ट्वीट) करने में मात दे देंगे। हम फेसबुक पर इतने विडियो–ऑडियो,पोस्ट, एनीमेशन कार्टून, व्यंग्य फेंकेंगे कि रूस और यूक्रेन वाले भी हैरान हो जायेंगे कि इतने बम और गोले तो उन्होंने भी अब तक युद्ध में नहीं फेंके होंगे। तोताराम जी इंटरव्यूवी के जवाब से बेहद प्रसन्न हैं और कह रहे हैं–श तोताराम(मोगेंबो) खुश हुआ, यू आर गोट सलेक्टेड।श इंटरव्यू लेकर जैसे ही तोताराम जी बाहर निकले हैं, मीडिया वालों ने उन्हें घेर लिया है। एक मीडिया कर्मी ने तोताराम जी के समक्ष लच्छेदार सवाल उछाला–श मंत्री जी आप और आपकी पार्टी तो पिछले पन्द्रह सालों से ठाले–निठल्ले बैठे हैं, आपके पास कोई मुद्दा नहीं है, आप चुनाव कैसे जीतेंगे ?श तोताराम जी बोले–श वेरी सिंपल क्वेश्चन ! अरे भई ! हम व्हाट्सएप ग्रुप कंट्रोल मुख्यालय खोल रहे हैं। सोशल मीडिया के तीन–तीन पार्ट बना दिए गए हैं– टेक्नीकल, मॉनीटरिंग एंड ऑर्गेनाइजेशनलश और रिक्रूटमेंट जारी है। हम चुनाव जीतेंगे ही और निश्चित तौर पर जीतेंगे। इतनी बड़ी भर्ती (रिक्रूटमेंट) हम यूं ही थोड़े कर रहे हैं। हम हाड़–तोड़ मेहनत कर रहे हैं। रोजाना हजारों लोगों का इंटरव्यू ले रहे हैं। काम पर काम कर रहे हैं। और तुम्हें तो पता है श्वर्क इज वर्शिप।श जो व्यक्ति श्कामश(वर्क) को पूजा(वर्क) समझकर करता है, वह भला कभी हार सकता है। ऐनी डाउट (कोई शक) ? इस सवाल के बाद दूसरे मीडियाकर्मियों ने अपने कैमरे, माइक सिस्टम को लपेटना शुरु कर दिया और कवरेज करने के लिए अन्य स्थानों को निकल पड़े।

सिस्टम का कैंसर भ्रष्टाचार है

अंतिम छोर तक पहुंच मॉडल में भ्रष्टाचारी बाधक हैं

नीतियों के कारगर क्रियान्वयन करने, मिशन जीरो टॉलरेंस भ्रष्टाचार नीति को तीव्रगति देना समय की मांग – एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर शासन प्रशासन के सिस्टम का कुशासन रूपी कैंसर भ्रष्टाचार है, जिसकी पीड़ा शायद ही कोई देश होगा, जहां सुशासन को दीमक रूपी कुशासन ने न प्रतिस्थापित किया हो। हर देश के शासन प्रशासन को चलाने के लिए मनीराम प्रमुख होता है जिसकी उत्पत्ति उस देश के करदाताओं द्वारा होती है, जो उनके टैक्स द्वारा दिए गएमनीराम के बल पर सारी नीतियां रणनीतियां क्रियान्वित होती है, जिसके लिए हर देश में उस आने वाले वर्ष के लिए गतवर्ष में ही कर निर्धारण वर्ष के लिए बजट बनाया जाता है, जिसमें कराधान की नीतियां स्ट्रक्चर इत्यादि कोनिर्धारित किया जाता है। इसी बजट में ही सभी वर्गों सहित अंतिम छोर तक बैठे गरीब व्यक्ति के लिए भी योजनाएं शामिल होती है। परंतु बड़े दुर्भाग्य की बात है हम रिचिंग लास्ट माइल की बातें शाब्दिक रूप से बहुत करते हैं, अपने हर संबोधन में हर पार्टी के नेता इसी लास्ट माइल की बात करते हैं।परंतुबदकिस्मती है कि वह लास्ट माइल आज भी जस का तस है, क्योंकि उसे पता ही नहीं चलता कि बजट में उनके लिए क्या है और वह अंदर ही अंदर मिलीभगत से कैंसर रूपी भ्रष्टाचार का शिकार होकर दम तोड़ देता है। इसीलिए हम कह सकते हैं कि अंतिम छोर तक पहुंच मॉडल में भ्रष्टाचारी बहुत बड़े बाधक हैं।हालांकि अंतिमछोर तक पहुंच के लिए ही आकांक्षी जिला कार्यक्रम 500 उपखंड में एक साथ शुरू किया गया है, परंतु कैंसर रूपी भ्रष्टाचार को जब तक जीरो टॉलरेंस नहीं बनाया जाएगा तब तक यह भ्रष्टाचारी हर नीतियों और मॉडल में बाधक सिद्ध होंगे। इसलिए जनता में जागृति फैलाने माननीय पीएम महोदय बजट 2023 में रिचिंग द लास्ट माइल के बजट में किए गए प्रावधानों को इस चौथे वेबीनार के माध्यम से संबोधित किए इसलिए आजहम पीआईबी में उपलब्ध जानकारीकेसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिचिंग द लॉस्ट माइल। साथियों बात अगर हम 27 फरवरी 2023 को चौथे वेबनार अंतिम छोर तक पहुंच (रिचिंग द लास्ट माइल) में पीएम के संबोधन की करें तो उन्होंने केंद्रीय बजट 2023 में घोषित होने वाली पहलों के कारगर क्रियान्वयन के लिये सुझाव और विचार आमंत्रित करने के क्रम में सरकार द्वारा आयोजित 12 बजट–उपरांत वेबिनारों में से यह चौथा वेबिनार में कहा कि इस वर्ष के बजट में जनजातीय और ग्रामीण इलाकों के अंतिम छोर तक पहुंचने के मंत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में जल जीवन मिशन के लिये करोड़ों रुपयों का प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि 60 हजार से अधिक अमृत सरोवरों पर काम चालू हो चुका है, जिनमें से 30 हजार सरोवरों का निर्माण हो गया है। उन्होंने कहा,ये अभियान दूर–दराज रहने वाले उन भारतीयों के जीवनस्तर में सुध ार ला रहे हैं, जो दशकों से इन सुविधाओं का इंतजार करते रहे हैं। हमें यहीं नहीं रुकना है। हमें पानी के नये कनेक्शनों और पानी की खपत के तरीकों के लिये प्रणाली बनानी है। हमें इस बात की भी समीक्षा करनी होगी कि जल समितियों को और मजबूत करने के लिये क्या किया जा सकता है।अपने वक्तव्य के आरंभ में पीएम ने बजट पर संसद में होने वाली बहस के महत्त्व को रेखांकित करते हुये कहा कि सरकार ने इससे एक कदम आगे बढ़ाया है तथा पिछले कुछ सालों में सरकार ने बजट के बाद हितग्राहियों के साथ गहन विचार–विमर्श की एक नई परंपरा शुरू की है। उन्होंने कहा, यह कार्यान्वयन और समयबद्ध आपूर्ति की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इससे करदाताओं के धन की पाई–पाई का सही इस्तेमाल सुनिश्चित होता है। पहली बार जनजातीय समुदायों के सबसे अधिक वंचितों के लिये एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा,हमें देश के 200 से अधिक जिलों में 22 हजार से अधिक गांवों के अपने जनजातीय मित्रों को तेजी से सुविधायें उपलब्ध करानी हैं। इस संबंध में पसमांदा मुसलमानों का भी उल्लेख किया। इस बजट में सिकिल सेल से पूरी तरह मुक्ति पाने का भी लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा,इसके लिये सम्पूर्ण राष्ट्र की सोच अपनानी होगी। इसलिए स्वास्थ्य सम्बंधी हर हितग्राही को तेजी से काम करना होगा। उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि वे मजबूत मगर सस्ते मकान बनाने के लिये प्रौद्योगिकी के साथ आवासन को जोड़ने के तरीकों पर चर्चा करें। वे सौर ऊर्जा से लाभ उठाने के आसान तरीकों को खोजने तथा शहरी व ग्रामीण, दोनों इलाकों में लागू करने योग्य ग्रुप हाउसिंग के मॉडलों पर भी चर्चा करें। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में गरीबों के लिये मकान बनाने के मद्देनजर 80 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। परिपूर्णता की नीति के पीछे की सोच के बारे में प्रध ानमंत्री ने कहा कि अंतिम छोर तक पहुंचने की दृष्टि और परिपूर्णता की नीति एक–दूसरे की पूरक हैं। उन्होंने कहा कि पुराने परिदृश्य में सब–कुछ इसके उलट था, जहां गरीबों को बुनियादी सुविधाओं के लिये सरकार के पीछे दौड़ना पड़ता था, लेकिन अब सरकार गरीबों के द्वार तक पहुंच रही है। जिस दिन हम तय कर लें कि हर क्षेत्र में हर नागरिक तक हर बुनियादी जरूरत पहुंचाई जायेगी, तब स्थानीय स्तर पर कार्य संस्कृति में हम बड़ा बदलाव आता देखेंगे। परिपूर्णता की नीति के पीछे यही भावना काम कर रही है। जब हमारा लक्ष्य हर व्यक्ति तक पहुंचना है, तब भेदभाव और भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं होगी। और तभी, हम अंतिम छोर तक पहुंचने का लक्ष्य पूरा करने में सक्षम होंगे।इस सोच का उदाहरण देते हुये उन्होंने पीएम स्वानिधि योजना की चर्चा की, जिसके जरिये रेहड़ी–पटरी वालों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा गया। उन्होंने डेवलपमेंट एंड वेलफेयर बोर्ड फॉर डी–नोटीफाइड, नोमैडिक एंड सेमी–नोमैडिक कम्यूनिटीज, गावों के पांच लाख सामान्य सेवा केंद्रों तथा टेली–मेडिसिन का भी उदाहरण दिया। उल्लेखनीय है कि टेली–मेडिसिन के क्षेत्र में 10 करोड़ परामर्श किये गये हैं।आकांक्षी जिला कार्यकम अंतिम छोर तक पहुंचने के संदर्भ में एक सफल मॉडल के रूप में उभरा है। इस सोच को आगे बढ़ाते हुये, देश के 500 उप–खंडों में एक आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लिये, हमें तुलनात्मक मानदंडों को उसी तरह ध्यान में रखना होगा, जैसा हम आकांक्षी जिलों के मामले में करते हैं। ब्लॉक स्तर पर भी हमें प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करना होगा। विकास के लिये धन के साथ–साथ राजनीतिक इच्छा–शक्ति की भी जरूरत होती है। सुशासन और वांच्छित लक्ष्यों के लिये निरंतर निगरानी के महत्त्व पर बल देते हुये पकहा,हम सुशासन पर जितना बल देंगे, अंतिम छोर तक पहुंचने का हमारा लक्ष्य उतनी ही आसानी से पूरा हो जायेगा। उन्होंने मिशन इंद्रध ानुष के तहत टीकाकरण और वैक्सीन कवरेज व कोरोना महामारी के मद्देनजर नये सोच–विचार का उदाहरण दिया तथा इस तरह अंतिम छोर तक आपूर्ति में सुशासन की शक्ति का परिचय दिया। अपने वक्तव्य के आरंभ में उन्होंने बजट पर संसद में होने वाली बहस के महत्त्व को रेखांकित करते हुये कहा कि सरकार ने इससे एक कदम आगे बढ़ाया है तथा पिछले कुछ सालों में सरकार ने बजट के बाद हितग्राहियों के साथ गहन विचार–विमर्श की एक नई परंपरा शुरू की है। यह कार्यान्वयन और समयबद्ध आपूर्ति की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इससे करदाताओं के धन की पाई–पाई का सही इस्तेमाल सुनिश्चित होता है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार की करें तो मेरा मानना है कि,

नेटबंदी का कोई ठोस उपाय क्यों नहीं खोज रही सरकार?

सवाल यह उठता है कि आज लाइफ लाइन बन चुके मोबाइल नेट को कैसे रोका जा सकता है? क्या सरकार के पास यही एकमात्र उपाय रह गया है कि जब कुछ न सूझे तो मोबाइल का नेट बंद कर दिया जाए? नेटबंदी करने के दौरान यह नहीं देखा जाता कि इससे कितनी बड़ी जनसंख्या प्रभावित हो रही है।तीन दिन बाद राजस्थान के 11 जिलों के लाखों लोगों ने राहत की सांस ली है। शिक्षक भर्ती परीक्षा के कारण तीन दिन से जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर जैसे बड़े शहरों समेत 11 जिलों में मोबाइल पर नेटबंदी की गई थी। राजस्थान सरकार यह कदम बार–बार भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक होने के कारण उठाती रहती है। राज्य सरकार के पास इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि पहले परीक्षाओं के दौरान नेटबंदी के बावजूद पेपरलीक कैसे हुए?दरअसल, राजस्थान में पेपरलीक होना एक आम सी बात हो गई है। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में 16 बार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपरलीक हो चुके हैं और विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है। युवाओं में आक्रोश है, लेकिन सरकार के पास नेटबंदी के अलावा कोई ठोस उपाय नहीं है।आज डिजिटल क्रांति के युग में सबकुछ मोबाइल डाटा के सहारे चल रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कुछ बाराती दूल्हे के ऊपर मोबाइल घुमाकर ढोल वाले को क्यूआर कोड स्कैन करके पैसे दे रहे थे। यह डिजिटल की ताकत है और यही ताकत पिछले तीन दिनों से राजस्थान के लाखों लोगों से छिनी हुई थी या ये कहें की अक्सर छीन ली जाती है।

नेटबंदी के मामले में राजस्थान देश में दूसरे नंबर पर है। पिछले 10 वर्षों की बात करें तो सबसे अधिक नेटबंदी केंद्र शासित जम्मू और कश्मीर में 418 बार दर्ज की गई है, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 93 का है। यदि राजस्थान के पड़ोसी राज्यों को देखें तो उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 30 बार, हरियाणा में 18, पंजाब में 5, गुजरात में 11 और मध्यप्रदेश में 7 बार नेटबंदी की गई है। दक्षिण में केरल में तो एक बार भी नेटबंदी नहीं हुई।

सवाल यह है कि क्या इन राज्यों में प्रतियोगी परीक्षा नहीं हो रही हैं? सच यह है कि राजस्थान सरकार नेटबंदी को एक तरह से अपने बचाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है। कई जिलों में हल्के तनाव पर भी नेटबंदी कर दी जाती है।

नेटबंदी के कारण जन–जीवन पर असर

नेटबंदी करने के दौरान यह नहीं देखा जाता कि इससे कितनी बड़ी जनसंख्या प्रभावित हो रही है। आज खाना मंगाने से लेकर टैक्सी में सफर करने तक, छोटे से छोटे दुकानदार को पेमेंट करने तक, सबकुछ मोबाइल नेट से जुड़ा हुआ है।

अमर ज्वाला गैस एजेंसी का उद्‌घाटन समारोह संपन्न

प्रयागराज
गुरुवार को शहर के लाजपत राय रोड मंफोर्डगंज प्रयागराज स्थित अमर ज्वाला गैस एजेंसी का भव्य उद्‌घाटन समारोह संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि रंजन नायर क्षेत्रीय एलपीजी प्रबंधक उत्तर क्षेत्र भारत सरकार व विशिष्ट अतिथि आशुतोष गुप्ता स्टेट हेड उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत कराई गई इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का शाल देकर उनका स्वागत सम्मान किया गया उसके पश्चात मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि द्वारा गैस एजेंसी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों मे प्रबंधक कृष्णा पांडे विनोद मिश्रा कमला यादव राकेश यादव संजय यादव ओम प्रकाश यादव सहित अन्य कार्मिकों कोउपहार देकर सम्मानित किया गया उसके बाद फीता काटकर एजेंसी का उद्‌घाटन किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि रंजन नायर व विशिष्ट अतिथि आशुतोष गुप्ता स्टेट हेड उत्तर प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित लोगों को भारत गैस उपभोक्ताओं के लिए चलाई जा रही तमाम योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी इस मौके पर वेणु गोपाल जी प्रादेशिक प्रबंधक एलपीजी प्रयागराज रिंकी जयसवाल (टी सी) बिक्री अधिकारी रोहित रोहिल्ला एजेंसी के प्रोपराइटर नीलम पाण्डेय पत्नी संजीव कांत पाण्डेय अनिल सिंह दिनेश सिंह पंकज प्रभा कांत पांडे सौरभ त्रिपाठी अशोक शुक्ला केडी मिश्रा राहुल शुक्ला के अलावा अमर ज्वाला गैस सर्विस के समस्त स्टाफ सहित क्षेत्रीय गणमान्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

बड़े हुए गैस सिलेंडर के दाम मोदी सरकार वापस ले-पल्लवी मालवीया

आज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महिला जिला अध्यक्ष पल्लवी मालवीय के नेतृत्व में बढ़े हुए गैस सिलेंडर के दाम को लेकर सद्‌बुद्धि यज्ञ जोरदार तरीके से पत्थर गिरजाघर धरना स्थल सिविल लाइन पर नारेबाजी की ।महिला जिला अध्यक्ष पल्लवी मालवीय ने कहा 2012–13 में नरेंद्र मोदी एवं स्मृति ईरानी और सभी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं जब ध्415 में सिलेंडर था तो सर पर सिलेंडर रखकर विरोध किया करते थे अब भारतीय जनता पार्टी के नेता से कौन पूछें की 1156 रुपए में सिलेंडर हो गया क्या गौतम अडानी आपके दामाद लगते हैं जो आप उनको दहेज में सब कुछ उठा कर दे रहे हो ध्50 आपने एकबरगी घरेलू सिलेंडर कमर्शियल 350 रू बढ़ा दिया। ऐ तानाशाही नहीं चलेगी बढ़े हुए गैस सिलेंडर के दाम वापस ले सरकार वहीं पल्लवी मालवीया ने यह भी कहा मोदी जी आए थे अपने आप को गंगा मैया का लाल बताने और बन गए गौतम अडानी के दलाल अगर मोदी जी ने गैस सिलेंडर के दाम वापस नहीं लिए तो मैं और मेरी नारी शक्ति ईट से ईट बजा देगी एवं जेल भरो आंदोलन करेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित महिला जिलाध्यक्ष पल्लवी मालवीया, उर्मिला सिंह, गीता देवी, मित्रा कैथवास, रेणुका राय, स्वाति चौरसिया, प्रीति पाठक, अजमा प्रवीण, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अल्ताफ अहमद, जिलाध्यक्ष सर्वेश यादव, नितिन सिंह पटेल, निखिल भारतीय, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रम प्रकोष्ठ मनीष द्विवेदी, देवेंद्र कुमार,अमन कुमार, मोहम्मद जैद, अरुण कुशवाहा, रविंद्र श्रीवास्तव, विजय कुमार यादव, महानंद मिश्रा, गोलू सोनकर,विशाल सिंह यादव, रितेश सिंह, राहुल पटेल, इंद्रेश चंद्रा, ज्योति प्रकाश चौबे, अरुण बिंद, आलोक श्रीवास्तव,अर्पित साहू, विवेक जायसवाल, बसंत लाल बागी, रवि त्यागी, हरेंद्र प्रताप ठाकुर, सौरभ सिंह, अंजनी कुमार मिश्रा,लाल बहादुर पटेल, कमल किशोर मिश्रा, मोहम्मद रिजवान, शशि चंद्रा, रजत पाठक, आदि सैकड़ों साथी उपस्थित रहे।

आओ जलसंरक्षण में सहभागिता निभाएं

दैनिक जीवन व पृथ्वी पर जल के महत्व को रेखांकित करना परम् मानवीय कर्तव्य जल ही जीवन है। जल के बिना मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती – एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया – प्रकृति ने मानव को जल संसाधनों का वरदान दिया है। दशकों पूर्व एक जमाना था जब चारों ओर जंगल, झाड़, नदियां, तालाब, नहरों से भरपूर गांव शहरों में हमें पानी लबालब मिल जाता था किसी प्रकार का कोई संकोच नहीं था। न ही पानी की कोई कमी,आज भी हमारे बड़े बुजुर्गों की जुबानी हम सुनते हैं कि हर स्थान पर आसानी के के साथ पानी मिल जाता था जिसे बाल्टियों से कुवों से रस्सी के सहारे पानी निकालकर घर के मटको में भरकर रखते थे। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में आधुनिकता, बढ़ती औद्योगिक अर्थव्यवस्था, बढ़ते शहरीकरण, पाश्चात्य सोच, और नए जमाने की जीवन शैली की सोच के साथ ही हमने प्रकृति से वह जुड़ाव को दिया है। हम खुद को प्रकृति से अलग महसूस करते हैं, जिसने हमें बनाए बनाए रखा है। हम प्रकृति के अनमोल जल संसाधनों का अप्रबंधन, वनों की कटाई, तेजी से गांव का शहरीकरण,आधुनिकता का प्रकोप जैसी आधुनिक शैली को अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन जीने में भारी संकट खड़ा करने की ओर बढ़ रहे हैं। जिसे रेखांकित कर हमें प्रकृति के इन संसाधनों को बचाना होगा।

साथियों बात अगर हम प्रकृति के अनमोल संसाधनों में से एक जल की करें तो जल ही जीवन है। जल के बिना मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती जो धीरे–धीरे विलुप्तता की ओर कदम बढ़ा रहा है जिसे रोकने हम सब मानवीय जिवों का परम कर्तव्य और जवाबदारी है ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के सामने अपनी पीढ़ी को शर्मिंदा होने से बचा सके, क्योंकि वर्तमान समय में जल को तात्कालिक रूप से बढ़ाने के लिए जागृति नहीं हुए तो जल संकट एक भयानक रूप ले सकता है जिसके प्रकोप से हम वर्तमान पीढ़ी के भी चपेट में आने की संभावना है। बारिश में जल को संरक्षण करने शासन–प्रशासन सहित हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है क्योंकि दैनिक जीवन व पृथ्वी पर जल के महत्व को रेखांकित कर उसको बचाना मानवीय जीवों का परम मानव धर्म है जिसे हम सब को निभाना होगा।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व राष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में रखे विचारों की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने जल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, कि जल संरक्षण के काम में हर एक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी के लिए स्थानीय जनता को प्रेरित करने में जिलाधिकारियों और ग्राम सरपंचों को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होना जरूरी है। उन्होंने आगे सभी से यह संकल्प लेने का अनुरोध किया कि जिस तरह भारत में इतिहास का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, उसी प्रकार हम सभी इस अभियान को इतिहास का सबसे बड़ा जल संरक्षण अभियान बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज जल संकट एक अंतर्राष्ट्रीय संकट बन गया है और यह भयानक रूप ले सकता है। कुछ रक्षा विशेषज्ञों ने तो यहां तक कह दिया है कि भविष्य में यह अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष का एक प्रमुख कारण बन सकता है। हम लोगों को मानवता को ऐसी स्थितियों से बचाने के लिए सतर्क रहना होगा। उन्होंने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत सरकार इस दिशा में प्रभावी कदम उठा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि यह कहना बिल्कुल उचित है कि जल ही जीवन है। प्रकृति ने मानव को जल संसाधनों का वरदान दिया है। इसने हमें विशाल नदियां दी हैं, जिनके तट पर महान सभ्यताएं विकसित हुई हैं। भारतीय संस्कृति में नदियों का विशेष महत्व है और उन्हें माता के रूप में पूजा जाता है। हमारे पास नदियों की पूजा के लिए समर्पित स्थल हैं– उत्तराखंड में गंगा व यमुना के लिए, मध्य प्रदेश में नर्मदा के लिए और बंगाल में गंगा–सागर के लिए। इस तरह के धार्मिक अभ्यासों ने हमें प्रकृति से जोड़े रखा है। तालाबों और कुओं के निर्माण को एक पुण्य कार्य माना जाता था, लेकिन दुर्भाग्य से आधुनिकता और औद्योगिक अर्थव्यवस्था के आगमन के साथ ही हमने प्रकृति से वह जुड़ाव खो दिया है। जनसंख्या में बढ़ोतरी भी इसका एक कारण है। हम खुद को प्रकृति से अलग महसूस करते हैं, जिसने हमें बनाए रखा है। हम अपना आभार व्यक्त करने और यमुना की पूजा करने के लिए यमुनोत्री की कठिन यात्रा करते हैं, लेकिन जब हम राजधानी दिल्ली लौटते हैं, तो हम पाते हैं कि वही नदी बेहद प्रदूषित हो गई है और अब यह हमारे शहरी जीवन में उपयोगी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि शहर को पूरे साल जल देने वाले तालाब और झील जैसे जल स्रोत भी शहरीकरण के दबाव में लुप्त हो गए हैं। इसके चलते जल प्रबंधन अस्त–व्यस्त हो गया है। भूजल की मात्रा घट रही है और इसका स्तर भी नीचे जा रहा है। एक तरफ शहरों को सुदूर इलाकों से पानी लाना पड़ता है, तो दूसरी ओर मानसून में सड़कों पर जल भराव हो जाता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक और कार्यकर्ता भी पिछले कुछ दशकों से जल प्रबंधन के इस विरोधाभास को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते रहे हैं। भारत में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि हमारे देश में विश्व की आबादी का लगभग 18 फीसदी हिस्सा है, जबकि हमारे पास केवल 4 फीसदी शुद्ध जल संसाधन हैं। जल की उपलब्धता अनिश्चित है और यह काफी सीमा तक वर्षा पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि सभी के लिए जल उपलब्ध करवाने और जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाने के लिए भारत सरकार ने 2019 में जल शक्ति अभियान शुरू किया था। साथ ही, उसी साल श्जल जीवन मिशनश भी शुरू किया गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को सभी ने स्वीकारा

भारत की जी–20 की अध्यक्षता के सकारात्मक प्रभाव और भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को स्वीकार किया गया है। हम उम्मीद करते हैं कि अगले कुछ महीनों में एफआईआई से बाजार में निवेश फिर से शुरू हो जाएगा, क्योंकि सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश का आकर्षण वैश्विक नकारात्मकता से अधिक है।सितंबर, 2022 के आसपास इस बात को लेकर भारी सहमति थी कि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक मंदी आएगी। 2023 के आर्थिक विकास में तेजी से गिरावट शीघ्र ही इतिहास की सबसे अनुमानित मंदी बन गई। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और निश्चित आय एवं इक्विटी बाजारों, दोनों में तेज नुकसान के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था 2022 में बढ़ती रही। आशंका यह थी कि मंदी 2023 में आएगी और पहले बाजार में गिरावट आएगी और फिर दूसरी छमाही में उछाल आएगा।लेकिन जैसा कि आम तौर पर बाजारों में होता है, हमने जनवरी में ही बाजारों में उछाल देखा, क्योंकि अमेरिकी बाजारों में इस उम्मीद से आठ फीसदी की वृद्धि हुई कि आसन्न मंदी और गिरती मुद्रास्फीति मार्च तक फेड (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) को ब्याज दर बढ़ाने से रोक देगी। इसके बाद फरवरी में गिरावट आई, क्योंकि मजबूत अर्थव्यवस्था, तंग श्रम बाजार और मुद्रास्फीति में धीमी गिरावट से यह डर पैदा हुआ कि फेड के ब्याज दरों में ठहराव स्थगित हो जाएगा। यहां तक कि अमेरिका और यूरोप में उपभोक्ता और व्यापार के विश्वास में सुधार और पीएमआई (पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स) की संख्या बढ़ने के साथ बहुप्रतीक्षित मंदी की आशंका भी घटती प्रतीत होती है।यह देखना सुखद है कि बाजार और फेड की अपेक्षा बेहतर ढंग से संबद्ध हैं, मजबूत आर्थिक विकास से पता चलता है कि मुद्रास्फीति को उन स्तरों पर वापस आने में अधिक समय लग सकता है, जो एफओएमसी के अनुरूप हैं। फेड का श्हाइयर फॉर लॉन्गरश का संदेश अंततः बाजारों में परिलक्षित हो रहा है। फरवरी, 2020 से पहले के तीन वर्षों के दौरान बाजार को प्रभावित करने वाली घटनाओं को देखते हुए हम बाजार की उलझनों को समझ सकते हैं। कोविड लॉकडाउन, तेजी से बदलते श्रम बाजार, मौद्रिक नीति में बड़े पैमाने पर उतार–चढ़ाव और यूरोप में युद्ध के साथ–साथ चीनी नेताओं के कामकाज की अनिश्चितता, सभी ने आर्थिक चक्र की स्थिति को पेचीदा बना दिया है।इस सब में, भारतीय बाजार ने फरवरी में ही निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को नष्ट होते देखा है, क्योंकि बीएसई सेंसेक्स में लगभग 2,500 अंक की गिरावट आई है। एनएसई निफ्टी 17,350 के बजट दिन के निचले स्तर के करीब है। भारतीय शेयर बाजार के कमजोर प्रदर्शनों के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक कारक मुद्रास्फीति है, जो फेड और अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा उच्च दरों और ब्याज दरों में और वृद्धि के पूर्वानुमान के लिए जिम्मेदार है। जनवरी में मजबूती दिखने के बाद अमेरिकी बाजारों में पिछले चार हफ्तों से गिरावट जारी है। दूसरा कारक, अमेरिकी डॉलर में नए सिरे से मजबूती है। जब अमेरिकी डॉलर अन्य मुद्राओं की तुलना में ऊपर जाता है, तो हम उभरते हुए बाजारों में मुद्रा का आउटफ्लो (बहिर्वाह) देखते हैं। इन्हीं दोनों कारकों से जुड़ा तीसरा कारक, भारत में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की बिकवाली के कारण जारी बहिर्वाह है। बीते एक जनवरी से पिछले हफ्ते तक एफआईआई की बिकवाली के कारण 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई है। यह निवेशकों की धारणा को कमजोर कर रहा है।

जनवरी में मासिक आधार पर भारत की मुद्रास्फीति में वृद्धि ने यह आशंका बढ़ा दी है कि रिजर्व बैंक अप्रैल की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में दरों में और वृद्धि करने के लिए मजबूर होगा। यह अर्थव्यवस्था में विकास की गति को कम कर सकता है, जो वैश्विक कारकों के साथ–साथ आरबीआई द्वारा दरों में वृद्धि के कारण पहले से ही धीमा रहा है।

खपत के मोर्चे पर ग्रामीण खपत अब भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। पिछले साल की तरह इस साल भी असामान्य गर्मी गेहूं की उपज को कम कर सकती है। इससे खाद्यान्न की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है और यह उच्च मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है। मानसून को लेकर ज्यादा चिंताएं हैं, जहां अल नीनो के साथ लू की शुरुआत खराब मानसून का संकेत दे रही है। हमने हाल ही में बंगलूरू में वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की जी–20 बैठक में अपने देश की प्रशंसा सुनी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि व्यापक आर्थिक संतुलन और सुधारों पर विशेष सामंजस्य ने भारत को बेहतर स्थान बनने में मदद की है। उन्होंने भारत द्वारा डिजिटलाइजेशन को आगे बढ़ाने के तरीके की सराहना करते हुए कहा कि इसने भारत के विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। भारत को सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और निजी क्षेत्र के फलने–फूलने, दोनों के लिए आधार रूप में डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के उदाहरण के रूप में देखा जाता है।

जी–20 देश भारत के इन सबक को साझा करने के इच्छुक हैं। बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि एक नियम आधारित विश्व व्यवस्था में वैश्वीकरण और आपूर्ति शृंखला के जुड़ाव से लाभ उठाना किस तरह से पोषण और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले तीस वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था तीन गुना बढ़ी है। इसके सबसे बड़े लाभार्थी चीन और उभरते बाजार रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर चौगुनी हुई है, जिससे गरीबी में कमी आई है। विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं दोगुनी हुई हैं। बैठक में एक ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था की रक्षा करने की आवश्यकता जताई गई, जो सामंजस्यपूर्ण तरीके से कार्य करे। इसे आकार देने में भारत की भूमिका को स्वीकार किया गया। बैठक में क्रिप्टो सुरक्षा, स्थिर सिक्कों और विकेंद्रीकृत वित्त के वैश्विक विनियमन के लिए रूपरेखा बनाने, साइबर सुरक्षा, आसान और सस्ते सीमा पार भुगतान पर भी चर्चा हुई। बैठक के शीर्ष एजेंडे में जलवायु वित्तपोषण और विकास बैंकों की मजबूती भी शामिल था।

कुल मिलाकर, भारत की जी–20 की अध्यक्षता के सकारात्मक प्रभाव और 2023 एवं उसके बाद सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत को स्वीकार किया गया है। हम लचीली भारतीय अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हैं। भारतीय बाजार वैश्विक घटनाक्रमों के अनुरूप ही आगे बढ़ेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि अगले कुछ महीनों में एफआईआई से बाजार में निवेश फिर से शुरू हो जाएगा, क्योंकि सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश का आकर्षण वैश्विक नकारात्मकता से अधिक है।

आम आदमी के हितों के लिए कांग्रेस पार्टी सदन से लेकर सड़क तक निरन्तर संघर्ष करेगी– बृजलाल खाबरी

केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा घरेलू रसोई गैस के दामों में एक बार फिर से 50ध– रुपये की वृद्धि देश की आम जनता पर गहरी चोट है। जिसको लेकर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व सांसद श्री बृजलाल खाबरी जी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से विधानसभा की ओर रुख करते हुए विरोध प्रदर्शन किया जहां पर पुलिस प्रशासन ने उन्हें विधानसभा जाने से रोक दिया जिसके विरोध में कांग्रेसजन धरने पर बैठ गये।अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री बृजलाल खाबरी जी ने कहा कि जब से देश एवं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें सत्ता में आई है महंगाई अपने चरमोत्कर्ष पर है। आए दिन खाद्य वस्तुओं आटा, दाल, सरसो के तेल इत्यादि के दाम आसमान छू रहे हैं परन्तु सरकार को देश की आम जनता की कोई परवाह नहीं है वह अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रही है जो कि देश की भोली भाली जनता पर सीधा कुठाराघात है।श्री खाबरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव जनहितों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए सदन से लेकर सड़क तक संघर्षरत रही है। कांग्रेस घरेल गैस के दामों में हुई अप्रत्यासित वृद्धि का सख्त विरोध करती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जल्द से जल्द बढ़े हुए दामों को वापस नहीं लेती है तो कांग्रेस पार्टी अपने प्रदर्शन का और भी अधिक उग्र स्वारूप प्रदान करेगी।श्री खाबरी ने कहा कि भाजपा सरकार देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को अडानी समूह को बेच रही है और एसबीआई और एलआईसी जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों को निवेश करने के लिए जबरिया मजबूर कर रही है जिससे देश के गरीब और मध्यम वर्ग की जनता की गाढ़ी कमाई की करोड़ों रूपये की बचत खतरे में पड़ गयी है। आम जनता की गाढ़ी कमाई पर कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर डाका नहीं डालने देगी और इसके खिलाफ सड़कों पर उतरकर संघार्ष करेगी।प्रदर्शन में प्रमुख रूप से प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, इन्दल रावत, प्रदेश महासचिव सुबोध श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव बृजेश सिंह, मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रदेश प्रवक्ता पंकज तिवारी, संजय सिंह, मुकेश सिंह चौहान, विकास श्रीवास्तव, रफत फातिमा, प्रियंका गुप्ता, जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, द्विजेन्द्र राम त्रिपाठी, वीरेन्द्र मदान, अमरनाथ अग्रवाल, रमेश मिश्रा, संजय दीक्षित, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, राजेश सिंह काली, नरेन्द्र दत्त त्रिपाठी, श्रीमती सुशीला शर्मा, शहाना सिद्दीकी, डॉ0 रेहान अहमद खान, अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ0 शहजाद आलम, राकेश पाण्डेय, रंजीत यादव, शहनवाज खान, सुनील कुमार गौतम, प्रवीन खान, अख्तर अहमद खान, प्रज्ञा सिंह, के. के. शुक्ला, अनीस अख्तर मोदी, डॉ0 सुधा मिश्रा, संजय मौर्या, सुमन प्रजापति, अंकित तिवारी, तनवीर फातिमा, वर्चस्व पाण्डेय, प्रभाकर मिश्रा, नितान्त सिंह, रूबीना रईस, साबरा खातून, शिवम त्रिपाठी, सुनीता रावत, सुषमा मिश्रा, डॉ0 रिचा शर्मा, संजय श्रीवास्तव, परवेज मंसूरी, जितेन्द्र रावत, आलोक सिंह, हनीफ खान, अजय वर्मा, अयूब सिद्दीकी, विकास सक्सेना, अमन यादव, अकील अहमद खान, निजामुद्दीन, फरीद हुसैन, योगेश्वर सिंह, आफताब मोहसिन, मो0 सानू, जावेद मलिक, मो0 शरीफ, वेद प्रकाश राठौर, अमन सिंह चौहान, सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

चुनावी व्हाट्सएप ग्रुप मुख्यालय(व्यंग्य)

तोताराम जी नामी–गिरामी,पहुंचे हुए नेता हैं। बेचारे पिछले चुनावों में पटखनी खा गए थे। उससे पहले भी वो दो बार नहीं जीत पाए थे। मगर इस बार उनके इरादे बड़े बुलंद हैं। उनके पास दमदार एंड्रॉयड मोबाइल है। मोबाइल से चुनावों में आती क्रांति है, शेष सब भ्रांति है।इस बार हर हाल में चुनाव जीतना है। टारगेट फिक्स है। करोड़ों वोटरों तक पहुंचना है लेकिन उनकी समस्या यह है कि वे मोटे बहुत हैं। सरकारी माल खा–खाकर उनकी तोंद निकल आई है। इसलिए मोबाइल को उन्होंने चुनावों का तारणहार बनाया है। व हजारों लाखों वोटरों की बजाय करोड़ों वोटरों तक मोबाइल से पहुंचेंगे। चुनावों में समय भी कम बचा है, वैसे भी एक–एक घर नहीं नापा जा सकता। मास्टर प्लान तैयार है। भाड़ में गई ऑनग्राउंड कैंपेनिंग। सारा फोकस ऑनलाइन कैंपेनिंग पर है। उनको पता है आजकल युवाओं को चुनावी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं है। इसलिए व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम ही उनके चुनावी हथियार हैं। विपक्षी पार्टी पर अब व्हाट्सएप डिजीटल हमला होगा और इस व्हाट्सएप पर ही चुनावी हर जुमला होगा। हर क्षेत्र के लिए धड़ाधड़–फड़ाफड़ सोशल मीडिया पेज के पेज बनाये जा रहे हैं। सोशल मीडिया के लिए रिक्रूटमेंट जारी है। बेरोजगारी चुनावों से पहले ही खत्म कर दी गई है। अभी और टीम बनाई जानी है, क्योंकि सोशल मीडिया टीम में ही चुनावों की आनी–जानी है। कुछ टीमें बनाई जा चुकी हैं। कुछ रिक्रूटमेंट और होने हैं। जिम्मेदारियां दी जानी है। चुनावों से पहले ही मंत्री जी ने प्रोफेनल्स की भर्ती निकाल दी है। युवा वर्ग चुनावों से पहले रिक्रूटमेंट के लिए उत्साहित है। चुनावों से पहले इतना बड़ा रिक्रूटमेंट, तो चुनावों के बाद तो नौकरियों की बहार तय है। कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिजाइनर, विडियो एडिटर, कार्टूनिस्ट वाह वाह क्या बात है। सोशल हैंडल की मॉनिटरिंग के लिए भी रिक्रूटमेंट हो रहा है। नौकरियों की कोई कमी नहीं है। एनालिस्ट भी रिक्रूटमेंट हो रही है। तोताराम जी नहा–धोकर इंटरव्यू ले रहे हैं। वो इंटरव्यू में इंटरव्यूअर बनकर हरेक इंटरव्यूवी से एक ही प्रश्न पूछ रहे हैं कि–श सोशल मीडिया पर उनकी पार्टी के लिए फॉलोअर्स कैसे बढ़ाओगे ? उनके हैंडल पर किस तरह की पोस्ट डालोगे ? इंटरव्यूवी इंटरव्यूअर को सटीक व शडिसिप्लिनड वेश में जबाब दे रहे हैं–श हम पार्टी की 15 साल पहले की उन उपलब्धियों को भी गिनायेंगे जो कि पार्टी की उपलब्धियां कभी रही ही नहीं हैं। उन योजनाओं को भी प्रचारित–प्रसारित करेंगे जो कि कभी चलाई ही नहीं गई। हम जनता के बीच जुमलों (जुमला कोटेड) से बनी रेवड़ियां बनाकर फेंकेंगे। जनता इन रेवड़ियों को चाटेगी और वोट सिर्फ और हमारी पार्टी को और हमें ही देगी। हैंडल पर सिर्फ और सिर्फ रेवड़ियाँ ही बरसेंगी। बीच–बीच में एकाध रसगुल्ला टाइप रेवड़ी भी फेंक देंगे। बूथ–बूथ पर व्हाट्सएप ग्रुप का टारगेट होगा। हम पोस्ट पर पोस्ट शेयर करेंगे। ट्वीट पर ट्वीट पसरा देंगे। इतने ट्वीट पसरायेंगे कि ट्वीट की नीली चिड़िया को भी शचिड़–चिड़श(ट्वीट) करने में मात दे देंगे। हम फेसबुक पर इतने विडियो–ऑडियों,पोस्ट, एनीमेशन कार्टून, व्यंग्य फेंकेंगे कि रूस और यूक्रेन वाले भी हैरान हो जायेंगे कि इतने बम और गोले तो उन्होंने भी अब तक युद्ध में नहीं फेंके होंगे। तोताराम जी इंटरव्यूवी के जवाब से बेहद प्रसन्न हैं और कह रहे हैं–श तोताराम(मोगेंबो) खुश हुआ, यू आर गोट सलेक्टेड।श इंटरव्यू लेकर जैसे ही तोताराम जी बाहर निकले हैं, मीडिया वालों ने उन्हें घेर लिया है। एक मीडिया कर्मी ने तोताराम जी के समक्ष लच्छेदार सवाल उछाला–श मंत्री जी आप और आपकी पार्टी तो पिछले पन्द्रह सालों से ठाले–निठल्ले बैठे हैं, आपके पास कोई मुद्दा नहीं है, आप चुनाव कैसे जीतेंगे ?श तोताराम जी बोले–श वेरी सिंपल क्वेश्चन ! अरे भई ! हम व्हाट्सएप ग्रुप कंट्रोल मुख्यालय खोल रहे हैं। सोशल मीडिया के तीन–तीन पार्ट बना दिए गए हैं– टेक्नीकल, मॉनीटरिंग एंड ऑर्गेनाइजेशनलश और रिक्रूटमेंट जारी है। हम चुनाव जीतेंगे ही और निश्चित तौर पर जीतेंगे। इतनी बड़ी भर्ती (रिक्रूटमेंट) हम यूं ही थोड़े कर रहे हैं। हम हाड़–तोड़ मेहनत कर रहे हैं। रोजाना हजारों लोगों का इंटरव्यू ले रहे हैं। काम पर काम कर रहे हैं। और तुम्हें तो पता है शवर्क इज वर्शिप।श जो व्यक्ति शकामश(वर्क) को पूजा(वर्क) समझकर करता है, वह भला कभी हार सकता है। ऐनी डाउट (कोई शक) ? इस सवाल के बाद दूसरे मीडियाकर्मियों ने अपने कैमरे, माइक सिस्टम को लपेटना शुरु कर दिया और कवरेज करने के लिए अन्य स्थानों को निकल पड़े।

ऑस्ट्रेलिया के स्कूली पाठ्यक्रम में पंजाबी भाषा शामिल

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपनी नई शिक्षा नीति में पंजाबी भाषा को स्कूली पाठ्यक्रम से जोड़ लिया है, जो स्वागत योग्य है।ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने स्कूली पाठ्यक्रमों में पहले से निर्धारित विषयों में पंजाबी को भी शामिल किया है। इसकी मांग बहुत पहले से हो रही थी, लेकिन देर से ही सही, वहां की सरकार ने अपनी नई शिक्षा नीति में पंजाबी भाषा को जोड़ लिया है। इस निर्णय को भारत सरकार और भारतीयों ने खुलेदिल से सराहा है।वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में सिखों की आबादी 2,10,000 से अधिक थी, जो अब दोगुनी हो चुकी है। यह निर्णय उन देशों को भी भारतीय भाषा को शिक्षा में शामिल करने के लिए प्रेरित करेगा, जहां–जहां भारतीयों की आबादी हाल के दशकों में काफी बढ़ी हैं। फिजी, मॉरीशस, अमेरिका, इंग्लैंड जैसे कई मुल्क हैं, जहां हिंदुस्तानी लोग हिंदी–पंजाबी बोलते हैं और उन्हें देखकर अन्य लोगों ने भी भारतीय भाषाएं बोलना शुरू कर दिया है। कई अन्य देशों में भी हिंदी–पंजाबी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांगें उठ रही हैं।कहते हैं कि भाषा का बढ़ता प्रभाव बहती हवाओं और उड़ते परिंदों सरीखा होता है, जिसे रोक पाना सरकार के लिए भी मुश्किल होता है। नए निर्णय के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्री–प्राइमरी से लेकर 12वीं तक के पाठ्यक्रमों में अब से पंजाबी पढ़ाई जाएगी। ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी सिख आबादी विक्टोरिया में है, इसके बाद न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड का स्थान आता है। पूरे ऑस्ट्रेलिया में करीब दस फीसदी आबादी पंजाबियों की है।ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा प्रस्तुत जनगणना–2011 के आंकड़ों की मानें, तो वहां 2,39,033 ऐसे घर हैं, जिनमे हमेशा पंजाबी बोली जाती है। बीते एकाध दशकों में इस महादीप में बड़ी संख्या में भारतीय ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया में पंजाबी भाषा बोलने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा, हिंदी भी ऑस्ट्रेलिया में बोली जाने वाली शीर्ष 10 भाषाओं में जगह बना चुकी है।

देश को अराजकता से बचाने के लिए सख्त कानून की आवश्यकता

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

जिस तरह हर देश का संविधान होता है जिसके अनुसार वह देश चलता है उसी तरह हमारा देश भी आजादी के बाद लोकतंत्र अपनाया और उस लोकतंत्र को स्थापित करने के लिए एक संविधान की स्थापना की और उससे देश को चलाने के लिए कानूनी तौर पर उसकी मान्यता दी। संविधान ने लोगों को बहुत से कानूनी अधिकार दिए। लेकिन , आज उन अधिकारों के बल पर देश के बहुत से नागरिक उन अधिकारों का दुरूपयोग करते हुए देश विरोधी कार्यों में लिप्त हैं।अभी हाल में गुजरात दंगों पर ब्रिटेन की एक मीडिया एजेंसी बी बी सी ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई जो अपने देश की तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के छवि को मलिन करने के लिए बनाया गया है। सरकार द्वारा बी बी सी के उस डॉक्यूमेंट्री को प्रदर्शित करने पर बैन करने के बावजूद कुछ शिक्षण संस्थानों में उसे प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया। ये अभिव्यक्ति की आजादी के दम पर करने का प्रयास है। जबकि होना ये चाहिए था कि अगर सरकार द्वारा जिसे बैन कर दिया गया हो उसे किसी भी हाल में प्रदर्शित करने की बात किसी को सोचना भी नहीं चाहिये था। लेकिन हमारा संविधान इतना लचर है या हमारी कार्यपालिका की एजेंसियां इतनी मजबूत नही हैं कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को सख्ती से लागू करवा सकें।दरअसल किसी भी देश में एकजुटता और अखंडता और देश को अराजकता से बचाने के लिए बहुत सख्त कानून की आवश्यकता होती है।बोलने की आजादी है इसका मतलब कतई नहीं कि लोग देश विरोधी बात करने लगे।लोकतंत्र सिर्फ वहीं तक सीमित होनी चाहिए जहाँ तक राष्ट्र का अस्तित्व खतरे में नही हो। दरअसल राष्ट्र के समुचित विकास के लिए एक सॉफ्ट तानाशाही की जरूरत है। आम नागरिकों के अधिकारों को सीमित करने की आवश्यकता है।जब देश के संविधान ने सबको समान अधिकार दिया है तो फिर अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक की बात कहाँ से उत्पन्न हो जाती है।अगड़े पिछड़े या दलित समाज की बातें कहाँ से उठ खड़ी हो जाती है।कुछ राजनीतिक दल इस मसले को खत्म ही नही होना देना चाहते हैं।एक विशेष धर्म के लोग अपने आप को इस देश में अल्पसंख्यक कहते हैं जबकि उनकी आबादी बीस करोड़ है जो पड़ोसी मुल्क की आबादी से ज्यादा है।उनके नेता धर्म के नाम पर विक्टिम कार्ड खेलते रहते हैं।आज देश में, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों को विशेष अधिकार प्राप्त है फिर भी उनके नेता आये दिन अपने लोगों को भड़काते रहते हैं।अभी हाल में समाजवादी पार्टी का एक नेता रामायण पर सवाल खड़ा कर दिया जबकि सबको पता है कि इस देश में रामायण हिंदुओं द्वारा धार्मिक ग्रंथ के रूप में पूजा जाता है।अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है इसका मतलब ये कतई नही कि आप किसी के धार्मिक भावनाओं को आहत करें।और ये बात सभी धर्म के मानने वालों पर लागू होती है।किसी धर्म के मानने वालों को ये अधिकार कतई नही है कि वे दूसरे के धर्मों पर कोई अनैतिक टिप्पणी करें।इस मामलों में संविधान द्वारा प्रदत स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित करना होगा।वैसे तो पूरे देश में देश धर्म से ऊपर कोई धर्म नही होना चाहिए और अपनी धरती के अलावा कोई और पूजनीय नही होना चाहिए।और ये बातें संविधान द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए।आप अपने घरों में जिसको चाहें पूजें लेकिन सार्वजनिक तौर पर इस देश की धरती को ही पूजना होगा।देश भर में कोई भी धार्मिक स्थलों की गुंजाइश नही होनी चाहिए।सार्वजनिक धार्मिक स्थलों पर केवल माँ भारती की पूजा होनी चाहिए।जबतक ऐसा नहीं होगा तबतक देश में एकता की भावना जागृत नही होगी।और ये बातें सख्ती से तभी लागू होगी जब कोई तानाशाह शासक केंद्र की सत्ता में स्थापित हो।किसी भी देश की प्रगति के लिए नार्थ कोरिया वाली स्थिति से एक बार गुजरना होगा।सुभाष चंद्र बोस ने कहा था कि देश की आजादी के बीस साल बाद तक आपातकाल वाली स्थिति होनी चाहिए और ये सही भी था ।देश की आजादी के बाद जिस तरह पूरा का पूरा शासन तंत्र उच्श्रृंखल और भ्रष्ट हो गया,वह संविधान द्वारा मिली आजादी का परिणाम था।कहीं से कोई अंकुश लोगों पर नही रहा।शक्तिशाली लोगों ने संविधान में दिए गए अधिकारों का उपयोग अपने फायदे के लिए किया।और वह आज भी कमोबेश चल रहा है।

जब देश में आपातकाल लगा था तो उस समय सरकारी कार्यालयों में सौ प्रतिशत उपस्थिति रहती थी।सारी ट्रेनें सही समय पर चल रहीं थीं।

सिर्फ कानून को सख्ती से लागू करने का ये परिणाम था और वैसी ही व्यवस्था हमेशा होनी चाहिए।लोगों के जीवन में अनुशासन होना ही चाहिए चाहे उसके लिए कुछ सख्ती क्यूँ ना करनी पड़े।ये कानून के ढुलमुल रवैये का परिणाम है कि देश में नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा।दिखाने के नाम पर थोड़ी बहुत कार्यवाही जरूर होती है लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों के चलते इसपर नकेल नही कसी जा रही है जिसका परिणाम आगे चलकर बहुत भयानक होने वाला है।देश में सभी राजनीतिक दलों का मुख्य उद्देश्य केवल येन केन सत्ता को हासिल करना रह गया है।देश का सर्वांगीण विकास कैसे हो इससे किसी को कोई लेना देना नही है।आज देश को धर्म और जाति पर बाँटने का काम सरेआम किया जा रहा है।कुछ लोग हिंदुओं की एकता में सेंध लगाने का कार्य कर रहे हैं।आजकल समाज के कुछ नेता हिन्दुओं को हिन्दू धर्म के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं।इनके पीछे देश विरोधी ताकतों का हाथ है जिन्हें विदेशों से फंड प्राप्त हो रहा है।ये देश विरोधी ताकतें भारत को कमजोर करने के लिए देश के अंदर के देश विरोधी ताकतों को मदद देकर उनके द्वारा एक योजना के तहत देश को तोड़ने का कार्य सम्पादित किया जा रहा है।अब इन ताकतों को कुचलने के लिए देश के शीर्ष पर ऐसी सत्ता की आवश्यकता है जो देश के हित में कड़े से कड़े निर्णय ले सके। और जिसके लिये देश सर्वोपरि हो।कुछ वर्षों के लिए अब देश में लोकतंत्र का ढोंग बंद होना चाहिए और देश की एकजुटता और समृद्धि के लिए कार्य होना चाहिए।देश की सेना को और सशक्त बनाने की जरूरत है।जबतक हमारी सेना चीन की बराबरी पर नही पहुँचे तबतक हमें इस दिशा में अथक प्रयास करते रहना चाहिए।आज कर्मवीर योजना हर युवाओं के लिए कम्पलसरी होनी चाहिए।इंटरमीडिएट के बाद चार साल का कोर्स हर युवाओं के लिए होनी चाहिए उसके बाद वे इंजीनियरिंग या मेडिकल या एम बी ए आदि कोर्स करें।बगैर इस चार साल के कोर्स किये किसी को भी आगे के पाठ्यक्रम के लिए अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए चाहे वह लड़का हो या लड़की ,17से21साल के बीच का समय हर युवाओं को देश के लिए समर्पित होना चाहिए।जबतक युवाओं में देशभक्ति का जज्बा उत्पन्न नही हो तो बाकी शिक्षा का कोई महत्व नही है।धर्म और जाति के नाम पर समाज में जो नफरत फैलाने का काम होता है उसके पीछे की वजह युवाओं में देशभक्ति के जज्बे का अभाव ही है।आज भी समाज में कुछ राजनीतिक दल इन्हीं नफरतों का डर पैदा करके अपनी दुकान चलाने के फिराक में लगे रहते हैं।शिक्षा के अभाव के कारण देश की जनता आसानी से गुमराह हो जाती है।और ऐसे राजनीतिक दल अपना उल्लू सीधा करने में सफल हो जाते हैं।देश जब तक पूरी तरह शिक्षित नही हो जाये तबतक वोट देने का अधिकार सभी को नही मिलना चाहिए।वोट देने के लिए कमसे कम कुछ तो शैक्षणिक योग्यता होनी ही चाहिए और उसी तरह जो लोग सरपंच , मुखिया , विधायक , सांसद के पद के लिए भी चुनाव लड़ते हैं उनकी भी एक निर्धारित योग्यता होनी ही चाहिये। आपके मातहत काम करने वाले अधिकारी अगर आपसे ज्यादा पढ़े लिखे हों तो आप उनको कैसे निर्देशित कर सकते हो।लोकतंत्र के नाम पर इस देश में हमेशा से अंधेर नगरी चौपट राजा वाली स्थिति कायम रही है।आज इन परिस्थितियों को बदलने का समय आ गया है और इसपर हमें गहनता से विचार करना होगा। इन मुद्दों पर आज के युवाओं को विचार करने की आवश्यकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार,
मुजफ्फरपुर, बिहार

सेवानिवृत्ति के पश्चात

सेवानिवृत्ति के बाद खुद को रचनात्मकता, उत्पादकता और भावनात्मकता के स्तर पर उदासीन न रखें। अगर आप सेवानिवृत्त होने के बाद भी खुद को सक्रिय रखते हैं, तो अवसाद के शिकार नहीं होंगे। सेवानिवृत्त व्यक्ति को नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिए। असली जीवन तो सभी उत्तरदायित्वों से मुक्त होकर स्वयं के लिए जीने का प्रारम्भ होता है।अवशेष समस्त उन रुचियों को पूर्ण करने का वक्त आ जाता है जिनके लिए वक्त ही नहीं दिखता था।जो भूली–बिसरी स्मृतियों की गठरी में सिमटी पड़ी रह गईं थीं।

उपहार स्वरूप मिली इस नई जिंदगी का भरपूर आनंद उठाने का वक्त आ जाता है। परिवार और दोस्तों के साथ खूब हँसी मजाक करते जीवन बिताना, जिस–जिस से व्यस्तता के कारण न मिल सके उन सबसे मिलना, समाज का, धर्म का सबका ध्यान रखना, अपने उत्तमोत्तम शौक जिन्हें हम समय की व्यस्तता के कारण नहीं पूरा कर सके उन्हें पूरा करना, बच्चों में बच्चे बन कर खेलना खूब पसंदीदा जगहों पर घूमना तीर्थ यात्रा पर जाना, योगा करना सब पर अपनी मर्जी न थोपते हुए सबकी खुशी में अपनी खुशी ढूंढना और सबके दुख–सुख में भागीदारी करना इत्यादि। शायद इससे सुखद रिटायरमेंट के बाद कुछ और नहीं हो सकता। सबके साथ–साथ आध्यात्मिकता के भाव साकार करने का बेहतरीन वक्त मिल जाता है।ईश्वर के द्वारा मिली हुई बोनस जिन्दगी का सुहाना सफर पुनर्जन्म का असली सुधारकाल व सुधारालय भी है।

धन्यवाद!
राम राम जय श्रीराम!
सुषमा श्रीवास्तव, मौलिक विचार, रुद्रपुर, उत्तराखंड।

आओ सरकारी क्षेत्र में नौकरी की प्राथमिकता पर पुनर्विचार करें

लोकसेवा में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही का स्वतः संज्ञान जरूरी सरकारी क्षेत्र के बाहर नौकरी और व्यवसाय करने युवाओं को स्वतःसंज्ञान लेकर समाज में जनजागरूकता पैदा करना जरूरी– एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया – भारत में अनेक बार अनेक प्रिंट मीडिया में हम विभिन्न राज्यों के लोकसेवा आयोग विभिन्न राज्यों के जिला स्तरपर चपरासी, पटवारी, बाबू से लेकर अनेक जिला कलेक्टर अधिकार क्षेत्र के पदों के लिए विज्ञप्ति, सूचना या विज्ञापन हम देखते हैं कि इतने पदों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। एक राज्य में 15 मार्च 2023 को होने वाली परीक्षा में पटवारी सहित अन्य पदों के लिए राज्य में कर्मचारी चयन मंडल द्वारा कुल 9073 पदों को भरा जाना है, जिसमें 6755 पद पटवारी के हैं, जिसके लिए एक टीवी चौनल पर बताया गया करीब 12 लाखध आवेदनों तो एक मीडिया ग्रुप के 13 फरवरी की रिपोर्ट में सभी पदों के लिए 22 लाखध आवेदनों की बात कही गई है, उन आवेदनों को 23 जनवरी 2023 को बंद किया गया था जिसमें पटवारी पोस्ट के लिए आवेदन करने वाले पीएचडी एमबीए बैचलर इन टेक्नोलॉजी जैसे शिक्षित छात्रों की संख्या लाखों में है जो घंटी बजाओ कार्यक्रम में दिखाया गया है, जिसे देखकर मैं अवाक रह गया हूं!!

साथियों बात अगर हम इसकी गहराई में जाकर भयावह स्थिति की करें तो इन छोटे बड़े पदों के अंदाजी सव पदों के लिए जब एक लाख के आसपास आवेदन व चयन प्रक्रिया के बारे में मीडिया में पढ़कर हैरानी होती है! यह बेरोजगारी है या सरकारी नौकरी की चाहत या फिर भविष्य सुरक्षित करने और किसी विकल्प की कमी इच्छाशक्ति की कमी? अपने आप पर आत्मविश्वास या फिर विश्वास की कमी या कोई अन्य कारण भी हो सकता है कि इतनी छोटी मात्रा में पदों के लिए इतने हाईलेवल मात्रा में आवेदन!

साथियों बात अगर हम इस बात के लिए सरकार द्वारा संज्ञान में लेने की करे तो जिस तरह से विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अनेक वेबीनार, नए स्टार्टअप अवसरों के बारे में जागरूकता अभियान, मिशन 2047, नवाचार नवोन्मेष, डिजिटल इंडिया सहित अनेक योजनाओं की विस्तृत तैयारियों सहित वर्तमान में क्रियान्वयन की जा रही योजनाओं से तो यही आभास हो रहा है कि सरकार की मंशा अब सरकारी क्षेत्र के बाहर नौकरी और व्यवसाय करने के लिए युवाओं को स्वतःसंज्ञान लेने के लिए खुद्द आगे आने और समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देने की योजना पर काम कर रही है!

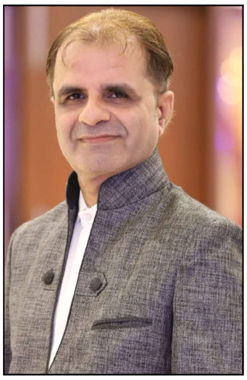

साथियों बात अगर हम लोकसेवकों याने एक बाबू से लेकर सबसे बड़े अधिकारी की करें तो अब समय आ गया है कि उन्हें लोकसेवा में,नैपाज, मंत्र का उपयोग तात्कालिक स्वतः संज्ञान लेकर करना होगा जिसे हम विस्तृत रूप में नैतिकता पारदर्शिता और जवाबदेही के रूप में कह सकते हैं।हालांकि नियमों, अधिनियम, कानूनों में यह तीनों मंत्र शामिल है। परंतु सबसे अधिक जरूरी इनका क्रियान्वयन करने की है जो लोकसेवकों द्वारा स्वतःसंज्ञान से क्रियान्वयन कर अधिक सफल बना सकते हैं क्योंकि हम सबको मालूम है कि किस तरह छोटी से छोटी लीकेजस में इनका उल्लंघन हो जाता है।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय कार्मिक व पीएम कार्यालय मंत्री के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि सरकारी क्षेत्र के बाहर नौकरी और व्यवसाय के नए स्टार्ट–अप अवसरों के बारे में जनजागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आजीविका से जुड़े स्थाई स्टार्ट–अप्प्स में नए भारत की तस्वीर बदलने की परिवर्तनकारी क्षमता है। उन्होंने कहा कि हमारी नीति एक मजबूत एसटीआई, इकोसिस्ध्टम के विकास के साथ ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में है जो देश में एक नया तालमेल बना सके। स्टार्ट–अप्प्स, विशेष रूप से ग्रामीण विकासोन्मुखी लोगों की मदद करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर की सराहना की, जो युवाओं को आय का बड़ा अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्ट–अप्प्स वाला दुनिया का तीसरा देश है और जिस तरह से नवाचार संस्कृति देश के युवाओं की परिकल्पना में देखी जा रही है उससे उम्मीद है कि जल्द ही भारत शीर्ष स्थान पर होगा। उन्होंने बताया कि एक अरब डॉलर या उससे अधिक के मूल्यांकन वाले किसी भी स्टार्ट–अप को यूनिकॉर्न कहा जाता है।

एक अन्य कार्यक्रम में भी पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा कि, केंद्रीय सचिवालय में निर्णय लेने की दक्षता में सुधार, लंबित मामलों को कम करना, मंत्रालयोंधविभागों के कामकाज को युक्तिसंगत बनाना, लोक सेवा में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही, प्रभावी कार्यकारी एजेंसियों का निर्माण, सरकार में सुधार के मूल सिद्धांत, राज्यों के शासन की बेंचमार्किंग 21वीं सदी के शासन में प्रबंधन की कार्य–प्रणाली, नागरिक केंद्रित शासन, राज्य सचिवालयों में सुधार, जिला कलेक्ट्रेट, शासन में प्रौद्योगिकी का उपयोग और उत्कृष्ट संस्थानों का निर्माण से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ सरकारी क्षेत्र में नौकरी की प्राथमिकता पर पुनर्विचार करेंलोकसेवा में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही का स्वतःसंज्ञान लेना जरूरी है तथा सरकारी क्षेत्र के बाहर नौकरी और व्यवसाय करने युवाओं को स्वतःसंज्ञान लेकर समाज में जागरूकता पैदा करना तात्कालिक जरूरी है जिससे हम विजन 2047 को उसके डेडलाइन से पहले प्राप्त कर सकते हैं।

–संकलनकर्ता लेखक– कर विशेषज्ञ एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

कमल नाथ बोले, मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को प्रतिमाह देंगे भत्ता

शिवराज सरकार लाड़ली बहना योजना में विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह देने की कर चुकी है घोषणा।

भोपाल। नवंबर में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शिवराज सरकार का मास्टर स्ट्रोक मानी जा रही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की काट में कांग्रेस निश्चित भत्ता योजना प्रस्तुत करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सोमवार को मीडिया से चर्चा में कहा कि सरकार में आने पर हम महिलाओं को भत्ता देंगे। हालांकि, यह कितना होगा, इसका खुलासा नहीं किया गया है। शिवराज सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की है। प्रदेश में दो करोड़ 60 लाख 23 हजार 733 महिला मतदाता हैं।

शिवराज सरकार ने लागू की है लाड़ली बहना योजना

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़े वर्ग को साधने के लिए लाड़ली बहना योजना लागू करने की निर्णय लिया है। इसमें 23 से 60 वर्ष तक की विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। प्रारंभिक आकलन के अनुसार एक करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह योजना का लाभ मिलेगा। इसे विधानसभा चुनाव के नजरिये से बड़ा कदम माना जा रहा है। कांग्रेस ने इसकी काट के लिए प्रतिमाह निश्चित भत्ता देने की योजना लाने का दावा किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सरकार की लाड़ली बहना योजना पर कहा कि इसका तो पता नहीं कि वह कब और कैसे लागू होगी पर हम सरकार में आने पर महिलाओं को भत्ता देंगे। वचन पत्र में भी इसे शामिल किया जाएगा। वचन पत्र तैयार करने वाली समिति के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश सरकार की लोकप्रिय योजनाओं का अध्ययन कराया जा रहा है।

हिमाचल में डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह भत्ता देने की घोषणा की थी। प्रदेश में भी इसे ही लागू किया जा सकता है।महिलाओं के लिए अलग से वचन पत्र जारी करेगी कांग्रेस ने इस बार दो वचन पत्र जारी करने का निर्णय किया है। महिलाओं के लिए अलग से वचन पत्र जारी होगा। इसमें पार्टी सरकार में आने पर महिलाओं के लिए खुशहाली मिशन लागू करेगी। इसमें महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए जो कदम उठाए जाएंगे, उनका ब्योरा रहेगा। सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से भोपाल में प्रस्तावित महिला मार्च में इसे जारी कराया जाएगा।

कमल नाथ अपनी विश्वसनीयता समाप्त हो चुके हैं रू भूपेंद्र सिंह

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कमल नाथ अपनी विश्वसनीयता समाप्त कर चुके है। पिछले चुनाव में 972 वादे किए थे लेकिन सवा साल सरकार में रहने पर एक भी पूरे नहीं हुए। एक बार धोखा हो सकता है पर बार–बार नहीं। वे तो चुनाव में वोट कैसे मिल जाएं, इसके लिए कुछ भी कहेंगे। दो लाख रुपये किसानों का ऋण माफ होने और चार हजार रुपये बेरोजगार भत्ता देने का भी वचन दिया था। न तो किसी किसान का ऋण माफ हुआ और न ही भत्ता मिला, इसलिए महिलाओं के साथ ही कोई भी कांग्रेस पर विश्वास नहीं करेगा।

आकृति एजुकेशनल एक्सलेंस अवॉर्ड समारोह धूमधाम से संपन्न

जयपुर राजस्थान।

वूमेन पावर सोसाइटी जयपुर और वी आर फाउंडेशन के द्वारा एक होटल में अवार्ड समारोह संपन्न हुआ। इसमें बीकानेर महापौर सुशीला राजपुरोहित वी आर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्चना सक्सेना,डब्ल्यूपीएस राजस्थान के प्रदेश संयोजक संतोष कुमार,डब्ल्यूपीएस जयपुर की जिला महासचिव,योगिता मीरवाल,जुगल राठी,राम रतन धारणिया,सिधकरण सेठिया,सुमन छाजेड़, के आतिथ्य में अशिक्षित को शिक्षित और बेरोजगार को रोजगार जैसे महिलाओं, लड़कियों को इंग्लिश स्पोकन कोर्स , ब्यूटी पार्लर, सिलाई जैसे कोर्स किए हुए 150 अभ्यर्थी शामिल हुए । सभी को अवॉर्ड, प्रमाण पत्र दिए गए,साथ ही बीकानेर से समाज सेवी जन,बीकानेर में पत्रकारिता से सरोकार रखने वाले मीडिया कर्मीयों को भी सम्मानित किया गया । इस अवसर पर प्रवीण गुप्ता, प्रमिला गौतम,आसमा नाज,पवन बोथरा, डॉक्टर मीना आसोपा, निकिता गहलोत, हेल्पिंग हैंड की चंचल शर्मा,गणेश सोलंकी सभी उपस्थिति रहे। इस आयोजन को विशेष रंग देने वाली हेमलता कुशवाहा फोक आर्टिस्ट एवं प्योर डिजिटल लाइफ का भी सहयोग रहा।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने की अरविंद भोसले की शानदार विदाई

मुंबई। मुंबई पुलिस विभाग के पुलिस उप निरीक्षक अरविंद पांडुरंग भोसले 35 वर्ष 4 महीने की अखंड सेवा के बाद आज से सेवानिवृत्त हो गए। मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती, पुलिस आयुक्त फणसाळकर के हाथों उन्हें सम्मान पत्र देकर सेवानिवृत्ति की शुभकामना दी गई। इस अवसर पर अरविंद भोसले का परिवार उपस्थित रहा। भायंदर पूर्व के विधि अपार्टमेंट में रहने वाले अरविंद भोसले ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी रहे।

अखिल भारतीय धोबी समाज का वार्षिक कार्यक्रम संपन्न

मुंबई।अखिल भारतीय धोबी समाज मुंबई बोरीवली संस्था द्वारा आयोजित वार्षिक समारोह एवं परम पूज्य संत गाडगे बाबा का जन्मदिन समाज कल्याण हाल, दहिसर पूर्व में संस्था अध्यक्ष रामध्आत्मा कनौजिया की अध्यक्षता में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जिसमें कार्यकारिणी के सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों, विभाग प्रमुख व वार्ड प्रमुख के सभी कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुंबई, कल्याण , ठाणे, डोम्बिवली व वसध्ई विरार तालुका मैं रहने वाले संस्था के लोग शामिल हुए । संस्था के सचिव गामा रजक मैं उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बीएमसी शिक्षकों ने दी कुलवंत कौर को विदाई

मुंबई। न्यू सायन मनपा माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका कुलवंत कौर की सेवानिवृत्ति का समारोह बड़े ही आनंद पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उनके पुत्र गगन, पुत्री प्रीति सिंह, पुत्रवधू निहारिका भी उपस्थिति रही। समारोह में विभाग निरीक्षक शोभा जामघरे, मुख्याध्यापकों में विलास घेरडे, विकास पाटिल, मारूति शेरकर,इंदू सिंह,स्नेहल कासुर्डे, प्राथमिक विभाग की प्रभारी मुख्याध्यापिका शारदा पोल, वरिष्ठ शिक्षिका प्रतिभा राऊत,मीनल भोसले, सुवर्णा नागले, माध्यमिक विभाग के हिंदी माध्यम की प्रमुख प्रतिमा सुभाष यादव, नरेंद्र भगत,सरिता ननवरे, शंकर भोसले,माधुरी प्रमोद मिश्रा,पवन पटेल, मोहिनी चौरसिया, मंजू गुप्ता, सीमा यादव,उमा तिवारी, श्रीकांत यादव, राजेश रहांगडाले, वरिष्ठ शिक्षिका मीना विश्वे, मोतीराम बागुल, ज्योत्स्ना दाते, निवेदिता पवार,निता रेचवाडे, महापौर पुरस्कार प्राप्त आदर्श शिक्षिका श्रृति राणे, संदीप सिंह, संतोष पटेल, राकेश सुदर्शन पाठक, लक्ष्मी बिड़लान आदि ने श्रीमती कौर एवं उनके संपूर्ण परिवार का सत्कार पुष्प गुच्छ,शाल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ और भेंट वस्तु देकर किया। समारोह में शामिल सभी लोगों ने लजीज व्यंजन का स्वाद ग्रहण किया। समारोह में सत्कार मूर्ति के विषय में बोलते समय आदर्श शिक्षक शंकर गंगाराम भोसले एवं माधुरी मिश्रा भावुक हो गईं।

नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम बहुत अधिक गति से चलाए जा रहे हैं

अंबाला। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख एवं अंबाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक माननीय श्री श्रीकांत जाधव भा.पु.से. साहब ने नशे के विरुद्ध साईकिल जागरूकता अभियान के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम बहुत अधिक गति से चलाए जा रहे हैं। भविष्य में योजनाबद्ध तरीके से और बड़ स्तर पर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के माध्यम से जन जन को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जाएगा और नशे की लत में पड़ गए युवाओं को निःशुल्क नशामुक्ति केन्द्रों में भर्ती कराया जा रहा है। उन्होंने कहा नशा व्यक्ति के लिए घातक है जो व्यक्ति को भीतर तक खोखला कर रहा है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिबंधित नशा बेच रहा है तो इसकी सूचना ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर अवश्य दें। उन्होंने आज ब्यूरो और प्रयास के अंतर्गत नशे के विरुद्ध साईकिल जागरूकता यात्रा निकाल रहे ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारीध्उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार को निर्देश दिए कि साइकिल जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाए। उन्होंने स्वयं भी साइकिल चलाकर इस अभियान को शक्ति प्रदान की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अंबाला कार्यालय के पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

परम पूज्य श्रीमत् सम्यमिंद्र तीर्थ स्वामी जी और परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामी जी के कल्याणकारी आशीर्वचनों से हुआ विश्व सारस्वत सम्मेलन का समापन

हरिद्वार।

विश्व सारस्वत फेडरेशन के तत्वाधान में व्यास आश्रम हरिद्वार में आयोजित हुए दो दिवसीय विश्व सारस्वत सम्मेलन का शुभारंभ वेद मंत्रों के बीच परम पूज्य श्रीमत् सम्यमिंद्र तीर्थ स्वामी जी महाराज मठाधिपति, श्री काशी मठ,वाराणसी और परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामी जी महाराज, मठाधिपति श्री चित्रापुर मठ, शिराली के कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को श्रीमत् विद्यापीठ तीर्थ स्वामी जी महाराज, मठाधिपति गौकर्ण मठ एवं श्रीमत् शिवानंद सरस्वती स्वामी जी महाराज, मठाधिपति कैवल्य मठ के कल्याणकारी आशीर्वचनों व शुभकामना संदेशों को भी पढ़कर सुनाया गया। विश्व सारस्वत फेडरेशन के महासचिव माधव कामथ ने बताया कि प्रथम दिवस के कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध लाइव आर्ट पेंटर विलास नायक द्वारा मंच पर माँ सरस्वती का बहुत सुंदर एवं जीवंत चित्र बनाया गया जिसको अजीत कामथ ने 21 लाख रुपए में खरीदा। मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी के द्वारा वैदिक कल्चर एंड हिंदू हेरिटेज पर सरस्वती नदी व सारस्वत सभ्यता का उल्लेख करते हुए सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। वरिष्ठ आईएएस नितिन गोकर्ण के द्वारा ग्लोरी ऑफ सारस्वत हेरीटेज ट्रेडीशन, क्वालिटीज एंड कल्चर विषय पर ज्ञान वर्धक प्रस्तुति दी गई। प्रख्यात वक्ता मेजर जनरल जीडी बक्शी के द्वारा समाज कल्याण में सारस्वतों के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया। 3वन4 कैपिटल के सीएफओ सिद्धार्थ पै के द्वारा भारत को 5 ट्रिलियन इकोनामी बनाने में सारस्वत युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर उल्लेखनीय मार्गदर्शन किया गया। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कामथ के द्वारा एसेंशियल पार्ट ऑफ अवर कल्चर एंड नेशनल आईडेंटिटी हेतु मुख्य बिंदुओं पर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। एसवीसी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के चेयरमैन दुर्गेश एस चंदावरकर के द्वारा सारस्वत इंस्टीटच्यूशंस, ईथॉस एंड कंट्रीब्यूशन टू सोसायटी विषय पर सभी को जाग्रत किया गया। स्मिता शिनॉय और माया रोहित ओझा द्वारा साउथ इंडियन एंड नॉर्थ इंडियन ज्वेलरी एंड ड्रेस पर रोचक जानकारी दी गई। प्रथम दिवस के समापन सत्र में अंकुश एन नायक, यन्देश रायकर, राजेश भागवथ, आशीष रायकर तथा श्रीदत्त प्रभु की सितार,वायलिन, ड्रम पैड, की बोर्ड और तबला की जुगलबंदी ने सभी का मन मोह लिया।

सारस्वत आईडेंटिटी एंड यूनिफिकेशन शीर्षक के अंतर्गत हुए पैनल डिस्कशन में मेजर जनरल जीडी बक्शी, कर्नल अशोक किनी, प्रवीण कडले, किशोर मंसूरकर, डॉ राम सारस्वत, गिरीश सारस्वत, श्रीकिशन गोस्वामी, मनमोहन सारस्वत एवं केदारनाथ शेनॉय आदि के द्वारा समाज कल्याण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। वरिष्ठ आईएएस डॉ विनोद रामचंद्र राव द्वारा जनकल्याण हेतु बहुत ही विस्तृत एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इंवॉल्वमेंट ऑफ सारस्वत यूथ एंड वे फॉरवर्ड विषय के अंतर्गत शेफाली वैद्य अजीत पै, उदय कुमार पी गुरकर, प्रोफेसर नरेंद्र एल नायक, अजीत गुंजीकर, सीए नंदगोपाल शेनॉय, दीपक भास्कर शेनॉय एवं अजीत कामथ के द्वारा जनहित में महत्वपूर्ण परिचर्चा की गई।

विश्व सारस्वत फेडरेशन के अध्यक्ष प्रदीप पै ने बताया कि पी प्रकाश पै, मेजर जनरल जीडी बक्शी, सुमन कल्याणपुर और रामगोपाल शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्व प्रसिद्ध लाइव पेंटिंग कलाकार विलास नायक को सारस्वत यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया। सारस्वत समाज की अनेक विभूतियों, समाज के जिला अध्यक्षों, पदाधिकारियों, समाज सेवियों एवं पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें पूर्व दर्जा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश संजय शर्मा राजा, महर्षि सारस्वत अध्यक्ष उदयपुर, गिरीश सारस्वत अध्यक्ष गाजियाबाद, महेन्द्र जोशी अध्यक्ष चित्तौड़गढ़, डॉ राम सारस्वत एवं पवन सारस्वत खाजूवाला बीकानेर, मनमोहन सारस्वत संयोजक दिल्ली, सत्यप्रकाश सारस्वत अध्यक्ष दिल्ली, हर स्वरुप सारस्वत अध्यक्ष अलीगढ, डॉ रामशंकर सारस्वत अध्यक्ष हाथरस, डॉ प्रमोद सारस्वत पूर्व अध्यक्ष हाथरस, डॉ रामेश्वर सारस्वत हाथरस, डॉ नरेंद्र कुमार सारस्वत अध्यक्ष आगरा, डॉ विनोद सारस्वत, संरक्षक एवं संस्थापक अध्यक्ष आगरा, विशाल सारस्वत हाथरस, राजकुमार सारस्वत फिरोजाबाद, डॉ संजीव सारस्वत तपन रुद्रपुर, विजय सुमन सारस्वत मेरठ, अनुभव सारस्वत फर्रुखाबाद, क्रियांशु सारस्वत पत्रकार नोएडा, अरविन्द सारस्वत ब्यूरो चीफ, नोएडा, कल्पना सारस्वत महिला संयोजिका, चंद्रशेखर सारस्वत पूर्व अध्यक्ष गाजियाबाद, देवीशरण सारस्वत गाजियाबाद, हरेंद्र सारस्वत अध्यक्ष एटा, डॉ अजीत गुंजीकर अध्यक्ष आइस्को, किशोर मसूरकर मुंबई सहित समाज के अनेक महानुभावों को उनके समाज कल्याणकारी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

लग्जरी कार से आकर G-20 का गमला चुराने वाला गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किए फ्लॉवर पॉट

समाचार पत्र G–20 सम्मेलन की तैयारी के लिए सड़क पर रखे गए गमले चुराने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गए शख्स का नाम मनमोहन है. उसके पास से कार और चोरी के गमले बरामद कर लिए गए हैं.

अब पुलिस उसके दूसरे साथी की पहचान करने के लिए मनमोहन से पूछताछ कर रही है. आरोपी मनमोहन गुरुग्राम के गांधी नगर इलाके का रहने वाला है. जिस गाड़ी से गमले चुराए गए, उसकी नंबर प्लेट हरियाणा के हिसार की है. गाड़ी मनमोहन की पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड है. शुरुआती तफ्तीश में सामने आया है कि मनमोहन और उसका एक साथी दिल्ली से गुरुग्राम लौट रहे थे. दोनों ने ही खूबसूरत फूलों के गमलों को देखकर अपनी गाड़ी रोक ली और गमले चोरी कर मौके से फरार हो गए. पूछताछ में सामने आया है कि उन्हें इस बात की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी कि कोई उनकी कारगुजारी का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा है. गमला चोरी की यह घटना गुरुग्राम के सहरोल बॉर्डर क्षेत्र की है. चोर एक काले रंग की लग्जरी कार में आए थे. उन्होंने सड़क की सजावट के लिए रखे गए फूलों के पास कार रोकी थी. गाड़ी के रुकते ही उसमें से दो लोग नीचे उतरे और एक–एक करके गमलों को कार की डिग्गी में रखना शुरू कर दिया था. करीब एक मिनट तक एक के बाद एक गमलों को कार में रखने के बाद दोनों डिग्गी बंद कर फरार हो गए थे. दरअसल, सड़क किनारे यह फ्लॉवर पॉट ळ–20 मीट को लेकर शहर भर में किए जा रहे सौन्दर्यीकरण के तहत रखे गए थे. इसी क्रम में दिल्ली–गुरुग्राम बॉर्डर पर विदेशियों के स्वागत के लिए गमलों को रखा गया था. मामले का वीडियो वायरल होने के बाद डीएलएफ फेज 3 की पुलिस ने गाड़ी के नंबरों के आधार पर जांच शुरू की थीगुरुग्राम में लग्जरी कार में गमले चुराने का वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने यूट्यूबर एल्विश यादव को घेरना शुरू कर दिया था. लोगों ने दावा किया था कि कि चोरी में इस्तेमाल होने वाली कार मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव की है. घटना से यूट्यूबर का नाम जुड़ने के बाद ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा था. मामले के तूल पकड़ने के बाद यूट्यूबर को खुद आकर सफाई दी थी. उन्होंने ट्वीट किया था, श्यह मेरा वाहन नहीं है. मैं सभी से विनम्र निवेदन करता हूं कि मेरे बारे में कोई भी गलत जानकारी न फैलाएं. मैं उन लोगों पर मुकदमा कर रहा हूं जो मेरे बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं.

सम्मान समारोह आयोजित

——— रामनाथ परमात्मा प्रसाद जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पतौना अंबेडकर नगर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में प्रतिभाग करने वाले छात्रों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।। प्रतिभागी छात्र–छात्राओं अनामिका यादव पूजा प्रजापति अश्विनी तिवारी को विद्यालय व्यवस्थापक अजय सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।। इस अवसर पर बोलते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्यदेव तिवारी ने छात्र–छात्राओं से वैज्ञानिक मूल्यों के प्रति अभिरुचि जन जागरूकता सामाजिक उन्मुखीकरण पर बल दिया उन्होंने कहा कि आधुनिक युग विज्ञान व तकनीकी का युग है हमें विज्ञान और तकनीकी को अपना करके राष्ट्र को विश्व गुरु बनाने के लिए अग्रसर करना होगा और यह उत्तरदायित्व देश के युवाओं छात्र–छात्राओं व समाज के सभी वर्गों का है उसके लिए नवीन शोध कार्य पर बल दिया जाना आवश्यक है उक्त कार्यक्रम मे देवी प्रसाद प्रभाकर रवीन्द्र आदि शिक्षक गण उपस्थित थे।

आतिशी मार्लेना और सौरभ भारद्वाज बनेंगे केजरीवाल सरकार में मंत्री, सिसोदिया-सत्येंद्र जैन की लेंगे जगह

दिल्ली की केजरीवाल सरकार में आतिशी मार्लेना और सौरभ भारद्वाज नए मंत्री बनेंगे. मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने और सत्येंद्र जैन ने केजरीवाल की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था. केजरीवाल सरकार ने आतिशी मार्लेना और सौरभ भारद्वाज को मंत्री नियुक्त करने की फाइल एलजी विनय सक्सेना को भेजी है. दरअसल, सत्येंद्र जैन भ्रष्टाचार के मामले में पहले से जेल में बंद हैं. रविवार को सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था. इसके बाद सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. कोर्ट ने सिसोदिया से दिल्ली हाईकोर्ट में जाने के लिए कहा था. इसके बाद सिसोदिया और जैन ने मंगलवार को केजरीवाल कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया. सिसोदिया और जैन की गिरफ्तारी के बाद 20 से ज्यादा मंत्रालय खाली हो गए थे. इसके बाद केजरीवाल सरकार ने कैलाश गहलोत और राजकुमार आनंद को इन मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी है. अगले कुछ दिन में अरविंद केजरीवाल सरकार को बजट पेश करना है. ऐसे में सरकार के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सत्येंद्र जैन और सिसोदिया की जगह दो नए मंत्रियों को शामिल करने का फैसला किया है. सौरभ भारद्वाज केजरीवाल की 49 दिन की पहली सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे. आतिशी मार्लेना एजुकेशन सेक्टर में सिसोदिया की सलाहकार रही हैं. अब इन दोनों के नाम की सिफारिश सीएम केजरीवाल ने एलजी को भेज दी है. माना जा रहा है कि 48 घंटे में दोनों को शपथ दिलाई जा सकती है. दोनों के मंत्री बनने के बाद सिसोदिया और जैन के मंत्रालय इन्हें सौंपे जा सकते हैं.।

ग्राम पंचायत खडा में चल रहा था अवैध शराब का करोबार पुलिस प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

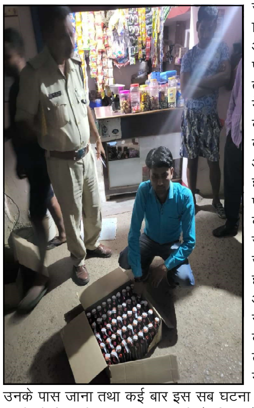

सेमरिया विधानसभा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खड्डा तहसील सेमरिया में अवैथ शराब का कारोबार कई बरसों से चलता आ रहा था, विदित है की पिछले पंचायत चुनाव के बाद वर्तमान खड्डा सरपंच बेटा शुक्ला जी ने कहा था की हम अपने गांव में अवैध शराब बिक्री नही करने देंगे, क्योंकि गांव के लोगों द्वारा इस मामले को ले कर उनके पास जाना तथा कई बार इस सब घटना की जानकारी दी जाती थी जिसकी सूचना थाना प्रभारी सेमरिया को दी गई कि आए दिन शराब पी कर लोग मार पीट करते हैं सायं के बाद से रोड से निकलना मुस्किल होता था इतना अराजकता का माहौल बना हुआ था जिसकी शिकायत पर सेमरिया पुलिस ने संज्ञान ले कर खड्डा निवासी राजेश पटेल पिता रामप्रताप सिंह पटेल तथा कमलेश पटेल जो की अपनी छोटी दुकान की आड़ में पिछले कई वर्षों से शराब की अवैध बिक्री करता था जिसको कल रात पुलिस की संयुक्त टीम ने उसके घर में दविश दे कर धर दबोचा जिसमे मौके से भरी अवैध शराब बरामद हुई है, अब देखना ये है की ऐसे अवैध शराब कारोबारियों और विक्रेताओं पर शासन प्रशासन की क्या कार्यवाही होती है।

दुनिया के टॉप 10 प्रदूषित शहरों से बाहर हुई दिल्ली, केजरीवाल ने कही ये बात

देश की राजधानी दिल्ली लंबे समय से प्रदूषण के कहर से जूझ रही है. सालों से यहां हवा की गुणवत्ता खराब दर्ज हो रही है. ये प्रदूषण इतना रहा कि दिल्ली के 10 प्रदूषित शहरों में शामिल थी. अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जानकारी दी कि दिल्ली इस लिस्ट से बाहर हो गई है सीएम केजरीवाल ने कहा कि पिछले 8 साल में मेहनत करके दिल्ली दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट से बाहर हो गई है. इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि खुश होने के साथ ही लक्ष्य भी तय करना है और दिल्ली को दुनिया के सबसे साफ शहरों की लिस्ट में शामिल करना है. केजरीवाल ने कहा कि 2011 में 20 प्रतिशत पेड़ कवर होते थे, जो बढ़कर अब 23 प्रतिशत हो गए हैं. दिल्ली में विकास होता है, पेड़ कटते हैं लेकिन 1 पेड़ कटता है तो 10 पेड़ लगाए जाते हैं. ये आंखों में धूल झोंकने वाला कार्यक्रम नहीं है. लगाए जाने वाले 80 प्रतिशत पौधे जीवित हैं. सीएम केजरीवाल ने ये भी कहा कि कि दिल्ली में सबसे ज़्यादा पौधे प्रति व्यक्ति 9.6 स्क्वायर मीटर में लगाए गए हैं, जो सभी बड़े महानगर से ज़्यादा हैं. इसके साथ ही पिछले साल 45 लाख पौधे लगाए थे और इस साल 92 लाख पौधे लगाए जाएंगे. केजरीवाल का दावा है कि दिल्ली में जब से ।ॅच सरकार बनी है, तब से 30 प्रतिशत प्रदूषण कम हुआ है. हालांकि, प्रदूषण और भी कम करना है. प्रदूषण से निपटने को लेकर केजरीवाल ने कहा कि सड़कों पर नजर आने वाली मिट्टी खत्म करेंगे और मशीन से रोजाना सड़क धोएंगे. आम लोगों से हमें ऊर्जा मिलती है. हम भी ऊर्जा के साथ काम करते हैं.।

विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं 22 लाख 65 हजार रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया सेमरिया विधायक

सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माननीयश्रीकेपीत्रिपाठीजी ने जननायक मुख्यमंत्री मा०शिवराजसिंहचौहानजी की विकासत्रयात्रा के तारतम्य में ग्राम पंचायत खैर में 19.21 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और 22.65 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।ग्राम पंचायत खैर में 4 लाख रुपए की लागत से सार्वजनिक शौचालय निर्माण, दिनेश सिंह जी के घर के पास 2.16 लाख रुपए की लागत से पेयजल कूप निर्माण, कबरा में 3.60 लाख रुपए की लागत से सेरीग्रेशन शेड निर्माण, 0.95 लाख रुपए की लागत से 5 नग शॉक पिट निर्माण, 1.50 लाख रुपए की लागत से 10 नग नाडेप निर्माण, कबरा में 5 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन में पेवर ब्लॉक लगाने, आदिवासी बस्ती खैर में 4 लाख रुपए की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा कबरा में 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, शासकीय प्राथमिक पाठशाला में 1 लाख रुपए की लागत से शौचालय निर्माण, 1 लाख रुपए की लागत से दसई पाल जी के घर के पास पुलिया निर्माण, बेलौहा वाले के खेत के पास 1 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण, मंगल पाल जी के घर के पास 1 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण, पोखरी तालाब से रामचरित शुक्ला जी के घर की ओर 7.65 लाख रुपए की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण का लोकार्पण कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किया साथ ही उपस्थित जनता जनार्दन की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव जी का अतरैला में भव्य स्वागत किया गया

ब्लाक कांग्रेस कमेटी जवा के अध्यक्ष धनेंद्र द्विवेदी की अगुआई में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री अरूण यादव जी का अतरैला में भव्य स्वागत किया गया जिसमे मुख्य रुप से जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष इंजी.राजेन्द्र शर्मा जी, जिला संगठन मंत्री ग्रामीण एड. रवि तिवारी जी, कांग्रेस नेता श्री गिरीश सिंह जी, श्री रमेश पटेल जी प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग श्री मुनेंद्र तिवारी जी श्री तरुणेंद्र द्विवेदी प्रदेश सचिव किसान कांग्रेस कांग्रेस नेता ड्रा अरुणेंद्र शेखर मिश्र जी सिद्धनाथ पाण्डेय जी ब्लाक अध्यक्ष सिरमौर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता मांझी,जिला पंचायत सदस्य श्री पद्मेश गौतम,जिला अध्यक्ष कार्यकारी आईटी सेल एवं सोशल मीडिया विभाग रीवा ओंकारेश्वर शुक्ला,श्री रामनरेश तिवारीजी महामंत्री जिला कांग्रेस शशि भूषण मिश्र जी शशि भूषण दूबे जी संदीप त्रिपाठी जी सारदा द्विवेदी मंडलम संकर्षण पाण्डेय जी साधुशरण मिश्रा जी किसान नेता अनिल सिंह जी आशीष द्विवेदी श्री प्रवीण सिंह जी आईटी सेल सिरमौर लालू यादव जी रोहनी साकेत जी बस यादव जी मोहित सरपंच सितलहा रामू गुप्ता संजीव जैसवाल जी सहित सैकड़ो जनरहे मौजूद।

सड़क दुर्घटना में घायल गाय की मदद में छात्रा प्रियंका पांडे निवासी खाम्हा ने भी किया भरपूर सहयोग

मध्यप्रदेश खबर रीवा जिले के गुढ़ से जहां नेशनल हाईवे 39 से गुजर रहे तहसीलदार गुढ़ विनयमूर्ति शर्मा ने टोल प्लाजा के समीप घायल अवस्था में तड़प गाय को देखकर रुक गए एवं गौ माता को बचाने के लिए तहसीलदार विनय मूर्ति शर्मा ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी उसी बीच खाम्हा निवासी छात्रा प्रियंका पांडे भी पहुंच गई और वो भी मदद में लग गई उन्होंने तत्काल रीठी पशु चिकित्सालय से पशु चिकित्सक बुलाया और गौमाता का मौके पर ही उपचार कराया गया उपचार के बाद गुढ़ तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा ने तत्काल हुजूर तहसीलदार यतीश शुक्ला से संपर्क कर गाय को लक्ष्मण बाग गौशाला पहुंचाने के लिए नगर निगम से एक वाहन का व्यवस्था करवाकर घायल गौमाता को वाहन में रखकर लक्ष्मण बाग पहुंचाया गया वहां पशु चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया अब गाय की हालत में सुधार है गाय की मदद करने में मुख्य रूप से प्रियंका पांडे, हल्का खाम्हा पटवारी अनिल सिंह, शिवेश चतुर्वेदी, सर्वेश तिवारी, सत्यम तिवारी, रविकर द्विवेदी, विकास चतुर्वेदी, टोल प्लाजा के मैनेजर दीपू सिंह, सहित कई लोगों का अहम योगदान रहा इन सभी ने घायल गौमाता की मदद करके मानवता का परिचय दिया जो कि एक सराहनीय कार्य है इन सभी से लोगों को सीख लेनी चाहिए एवं सड़क दुर्घटना में घायल पशुओं पर भी मदद करने की रुचि होनी चाहिए यही एक सेवा धर्म है।

उद्योग बंधु की बैठक 3 मार्च को

बांदा। जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आगामी 3 मार्च को सायंकाल 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मे जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे होगी। इस आशय की जानकारी उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन उद्यमिता विकास केन्द्र ने दी। उन्होने संबंधित विभागाध्यक्षों एवं उद्यमियों से अपील की है कि अपने विभाग से संबंधित प्रगति और उद्यमियों की समस्याओं सहित बैठक मे प्रतिभाग करें।

क्रीडा छात्रावासों मे प्रवेश के लिए चयन ट्रायल 13 से 20 मार्च तक

बांदा। प्रदेश स्तर पर स्थापित आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में प्रवेश के लिए जनपदीय चयन ट्रायल जिला खेल कार्यालय द्वारा स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रजत वर्मा ने बताया कि जिमनास्टिक तैराकी का ट्रायल बालक बालिका 12 वर्ष आई को जिला स्तर पर 13 मार्च व 14 मार्च तथा मंडल स्तर पर 15 वर्ष 16 मार्च को होगा। इसी तरह कुश्ती बालक 15 वर्ष का ट्रायल जिला स्तर पर 13 मार्च मंडल स्तर पर 15 मार्च को होगा। बालिकाओं की कुश्ती आयु वर्ग 15 वर्ष ट्रायल 14 मार्च वह मंडल स्तर पर 16 मार्च को होगा। वालीबाल, फुटबॉल, बैडमिंटन, टीटी बालक वर्ष 15 वर्ष 13 मार्च व मंडल स्तर पर 15 मार्च को होगा। वालीबाल, बैडमिंटन बालिका वर्ग का जिला स्तरीय चयन क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबॉल, तीरंदाजी बालक वर्ग 17 मार्च मंडल स्तर पर 19 मार्च कबड्डी, बास्केटबॉल, तीरंदाजी बालिका वर्ग 18 मार्च व मंडल स्तर पर 20 मार्च को होगा। एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो हैंडबॉल बालक वर्ग 17 मार्च मंडल स्तर पर 19 मार्च को होगा। एथलेटिक्स बालिका वर्ग का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 18 मार्च मंडल स्तरीय 20 मार्च को होगा। बताया कि चयन ट्रायल में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को शारीरिक क्षमता परीक्षण में 40 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा।

श्रीमद् भागवत में निहित है सभी धर्म ग्रंथों का सार :स्वामी शिवदत्त प्रपन्नाचार्य महाराज

वृन्दावन।परिक्रमा मार्ग–बैकुंठ नगर क्षेत्र स्थित श्रीदेवराहा बाबा योग निकेतन में चल रहे सप्त दिवसीय होली महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ मेंव्यासपीठ से प्रख्यात भागवताचार्य महंत स्वामी शिवदत्त प्रपन्नाचार्य महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी से भक्तों–श्रृद्धालुओं को श्रीमद्भागवत की महिमा बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है।इसका श्रवण करने से व्यक्ति भवसागर से पार हो जाता है।इसके श्रवण से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।साथ ही उसके जन्म व मृत्यु के भय का भी नाश हो जाता है।जीव के कल्याण के लिए यदि सबसे उत्तम ग्रंथ है,तो वह श्रीमद्भागवत महापुराण है।उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में समस्त वेदों, पुराणों, उप पुराणों, शास्त्रों व उपनिषदों आदि धर्मग्रंथों का सार निहित है।इसका श्रवण,वाचन व अध्ययन तीनों ही कल्याणकारी हैं।साथ ही श्रीधाम वृन्दावन जैसी पावन भूमि में इसका श्रवण करना शतगुणा अधिक फलदाई व पुण्यदाई होता है।इस अवसर पर सुग्रीवकिला(अयोध्या) के अध्यक्ष श्रीमज्जगद्गुरु श्रीरामानुजाचार्य स्वामी विश्वेशप्रपन्नाचार्य महाराज, मोरकुटी आश्रम के महंत परमेश्वर दास त्यागी महाराज, ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, प्रभुदयाल शास्त्री महाराज, महंत रामप्रिय दास महाराज, महंत किशोरी शरण भक्तमाली, महोत्सव की मुख्य यजमान शारदा उपाध्याय व आस्था उपाध्याय, व्यवस्थापक राजा तिवारी, डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी
9412178154

दिव्यांगों के लिए 5 से 10 मार्च तक लगेंगे शिविर

बांदा। दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिले के सभी विकास खण्डों मे कैम्प आयोजित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संचालित कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण योजना के तहत आगामी 5 मार्च को विकास खण्ड परिसर बबेरू, 6 मार्च को कमासिन एवं बिसंडा तथा 10 मार्च को महुआ, बड़ोखर खुर्द, नरैनी, तिंदवारी व जसपुरा के विकास खण्ड परिसर मे आयोजित किया जाएगा। उन्होने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वितरण शिविरों का आयोजन कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जिले मे 141 दिव्यांग लाभार्थियों को कृत्रिम अंग जैसे कृत्रिम हांथ, पैर, कैलिपर्स आदि का वितरण किया जाएगा। उन्होने कहा कि इसके साथ ही क्षेत्र मे इसका व्यापक प्रचार–प्रसार कराते हुए शिविर के सफल क्रियान्वयन के लिए पूरा सहयोग दें। इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

भा० सर्व सेवा स गठन के प्रदेशाध्यक्ष उमेश पिडिहा थाम सकते है आप का दामन

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय सर्व सेवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष उमेश पिडिहा कल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के हाथों सदस्यता ग्रहण करने जा रहे है जी हां हम आपको बता देंगे प्रदेशाध्यक्ष उमेश पिडिहा अगर आम आदमी पार्टी में सदस्यता ग्रहण करते हैं तो आज देखा जाए भारतीय सर्व सेवा संगठन आठों विधानसभा में काम कर रही है आज इसका अंदाजा आप लोग लगा सकते हैं चाहे भ्रष्टाचार का मुद्दा हो चाहे कोई मुद्दा हो संगठन धरने में बैठने के लिए मजबूर हो जाता है इस मुद्दे को देखते हुए अगर संगठन अध्यक्ष आम आदमी पार्टी में जाते हैं तो आम आदमी पार्टी आठों विधानसभा में एक मजबूत अंगद की पैर की तरह है जो कि संगठन आठों विधानसभाओं में है एक मजबूत संगठन है जिसका फायदा आम आदमी पार्टी को मिल सकता है और कई विधानसभाओं में आम आदमी पार्टी आने के संकेत भी मिल सकते हैं गुढ विधानसभा में जिला पंचायत में संगठन के द्वारा लालमणि पांडे जी को संगठन के ही द्वारा जिताया गया है यदि संगठन दूसरे को जीता सकता है तो संगठन खुद जीत सकता है कई सीटों में गुढ में जनपद सदस्यों को जिताया इसका फायदा आम आदमी पार्टी को भरपूर मिल सकता है

दो साल से भारत में अमेरिकी राजदूत का पद खाली

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के नाम का एलान कर दिया है। इस एलान के मुताबिक एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत हो सकते हैं। हालांकि उनके नाम पर अमेरिकी कांग्रेस की होने वाली अहम वोटिंग स्थगित हो गई है। अब यह वोटिंग आठ मार्च को होनी है और इसके बाद ही तय होगा कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे या फिर किसी नए नाम पर विचार किया जा सकता है। जानिए क्यों हो रहा है विरोध ा?

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा है कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के राजदूत बनने के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम तय किया था। हालांकि एरिक गारसेट्टी के नाम का पार्टी के ही कुछ नेताओं और विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। बता दें कि गारसेट्टी लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर रह चुके हैं और मेयर रहने के दौरान उन पर अपने स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। यही वजह है कि विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के ही कुछ सांसदों द्वारा गारसेट्टी के नाम का विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते पिछली कांग्रेस द्वारा एरिक गारसेट्टी के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगाई गई थी।

बीती जनवरी में जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम का फिर से एलान कर दिया। ऐसे में सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमेटी के चेयरमैन बॉब मेन्डेज ने 28 फरवरी को कांग्रेस में एरिक गारसेट्टी के नामांकन को अंतिम करने के लिए बैठक बुलाई। अब यह बैठक स्थगित हो गई है और कमेटी आगामी आठ मार्च को वोटिंग करेगी। इसके बाद ही एरिक गारसेट्टी का नाम अंतिम हो सकेगा। आरोपों के बावजूद व्हाइट हाउस ने एरिक गारसेट्टी का समर्थन कर रहा है।

भारत में बीते दो साल से अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति नहीं हो सकी थी। जिस पर सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ बॉब मेनेंदेज ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इन पदों का लंबे समय तक खाली रहना अमेरिका के हितों में नहीं है। भारत के साथ ही अमेरिका ने जर्मनी, पाकिस्तान में भी अपने नए राजदूतों के नाम का एलान किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के नाम का एलान कर दिया है। इस एलान के मुताबिक एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत हो सकते हैं। हालांकि उनके नाम पर अमेरिकी कांग्रेस की होने वाली अहम वोटिंग स्थगित हो गई है। अब यह वोटिंग आठ मार्च को होनी है और इसके बाद ही तय होगा कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे या फिर किसी नए नाम पर विचार किया जा सकता है। जानिए क्यों हो रहा है विरोध ा?

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा है कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के राजदूत बनने के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम तय किया था। हालांकि एरिक गारसेट्टी के नाम का पार्टी के ही कुछ नेताओं और विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। बता दें कि गारसेट्टी लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर रह चुके हैं और मेयर रहने के दौरान उन पर अपने स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। यही वजह है कि विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के ही कुछ सांसदों द्वारा गारसेट्टी के नाम का विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते पिछली कांग्रेस द्वारा एरिक गारसेट्टी के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगाई गई थी।

बीती जनवरी में जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम का फिर से एलान कर दिया। ऐसे में सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमेटी के चेयरमैन बॉब मेन्डेज ने 28 फरवरी को कांग्रेस में एरिक गारसेट्टी के नामांकन को अंतिम करने के लिए बैठक बुलाई। अब यह बैठक स्थगित हो गई है और कमेटी आगामी आठ मार्च को वोटिंग करेगी। इसके बाद ही एरिक गारसेट्टी का नाम अंतिम हो सकेगा। आरोपों के बावजूद व्हाइट हाउस ने एरिक गारसेट्टी का समर्थन कर रहा है।

भारत में बीते दो साल से अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति नहीं हो सकी थी। जिस पर सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ बॉब मेनेंदेज ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इन पदों का लंबे समय तक खाली रहना अमेरिका के हितों में नहीं है। भारत के साथ ही अमेरिका ने जर्मनी, पाकिस्तान में भी अपने नए राजदूतों के नाम का एलान किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के नाम का एलान कर दिया है। इस एलान के मुताबिक एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत हो सकते हैं। हालांकि उनके नाम पर अमेरिकी कांग्रेस की होने वाली अहम वोटिंग स्थगित हो गई है। अब यह वोटिंग आठ मार्च को होनी है और इसके बाद ही तय होगा कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे या फिर किसी नए नाम पर विचार किया जा सकता है। जानिए क्यों हो रहा है विरोध ा?

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा है कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के राजदूत बनने के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम तय किया था। हालांकि एरिक गारसेट्टी के नाम का पार्टी के ही कुछ नेताओं और विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। बता दें कि गारसेट्टी लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर रह चुके हैं और मेयर रहने के दौरान उन पर अपने स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। यही वजह है कि विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के ही कुछ सांसदों द्वारा गारसेट्टी के नाम का विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते पिछली कांग्रेस द्वारा एरिक गारसेट्टी के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगाई गई थी।

बीती जनवरी में जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम का फिर से एलान कर दिया। ऐसे में सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमेटी के चेयरमैन बॉब मेन्डेज ने 28 फरवरी को कांग्रेस में एरिक गारसेट्टी के नामांकन को अंतिम करने के लिए बैठक बुलाई। अब यह बैठक स्थगित हो गई है और कमेटी आगामी आठ मार्च को वोटिंग करेगी। इसके बाद ही एरिक गारसेट्टी का नाम अंतिम हो सकेगा। आरोपों के बावजूद व्हाइट हाउस ने एरिक गारसेट्टी का समर्थन कर रहा है।

भारत में बीते दो साल से अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति नहीं हो सकी थी। जिस पर सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ बॉब मेनेंदेज ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इन पदों का लंबे समय तक खाली रहना अमेरिका के हितों में नहीं है। भारत के साथ ही अमेरिका ने जर्मनी, पाकिस्तान में भी अपने नए राजदूतों के नाम का एलान किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के नाम का एलान कर दिया है। इस एलान के मुताबिक एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत हो सकते हैं। हालांकि उनके नाम पर अमेरिकी कांग्रेस की होने वाली अहम वोटिंग स्थगित हो गई है। अब यह वोटिंग आठ मार्च को होनी है और इसके बाद ही तय होगा कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे या फिर किसी नए नाम पर विचार किया जा सकता है। जानिए क्यों हो रहा है विरोध ा?

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा है कि एरिक गारसेट्टी भारत में अमेरिका के राजदूत बनने के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम तय किया था। हालांकि एरिक गारसेट्टी के नाम का पार्टी के ही कुछ नेताओं और विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। बता दें कि गारसेट्टी लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर रह चुके हैं और मेयर रहने के दौरान उन पर अपने स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। यही वजह है कि विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के ही कुछ सांसदों द्वारा गारसेट्टी के नाम का विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते पिछली कांग्रेस द्वारा एरिक गारसेट्टी के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगाई गई थी।

बीती जनवरी में जो बाइडन ने एरिक गारसेट्टी के नाम का फिर से एलान कर दिया। ऐसे में सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमेटी के चेयरमैन बॉब मेन्डेज ने 28 फरवरी को कांग्रेस में एरिक गारसेट्टी के नामांकन को अंतिम करने के लिए बैठक बुलाई। अब यह बैठक स्थगित हो गई है और कमेटी आगामी आठ मार्च को वोटिंग करेगी। इसके बाद ही एरिक गारसेट्टी का नाम अंतिम हो सकेगा। आरोपों के बावजूद व्हाइट हाउस ने एरिक गारसेट्टी का समर्थन कर रहा है।

भारत में बीते दो साल से अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति नहीं हो सकी थी। जिस पर सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ बॉब मेनेंदेज ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इन पदों का लंबे समय तक खाली रहना अमेरिका के हितों में नहीं है। भारत के साथ ही अमेरिका ने जर्मनी, पाकिस्तान में भी अपने नए राजदूतों के नाम का एलान किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के नाम का एलान कर दिया है।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे कार्य करने हेतु लोगो की आवश्यकता है

संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

नाथन लियोन ने इंदौर में बरपाया कहर

नाथन लियोन ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 11 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने इंदौर में पहली पारी में तीन विकेट लिए थे। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने आठ विकेट झटक लिए। लियोन ने गुरुवार (दो मार्च) को मैच के दूसरे दिन दूसरी पारी में कहर बरपा दिया। मैच में कुल 11 विकेट लेकर उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

लियोन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा था। कुंबले ने 1996 से 2008 के बीच 20 टेस्ट मैचों में भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट में 111 विकेट लिए थे। लियोन के 25 टेस्ट में 113 विकेट हो चुके हैं। उन्हें रविचंद्रन अश्विन पीछे छोड़ सकते हैं। अश्विन ने 21 टेस्ट में 106 विकेट लिए हैं।

मौजूदा सीरीज में जडेजा के नाम सर्वाधिक विकेट

मौजूदा सीरीज में नाथन लियोन ने 19 विकेट ले लिए हैं। उनसे आगे रवींद्र जडेजा हैं। जडेजा ने 21 विकेट हासिल किए हैं। अश्विन के खाते में 17 विकेट है। जडेजा और अश्विन के पास तीसरे टेस्ट में गेंदबाजी का करने का मौका होगा। जडेजा के पास विकेटों के अंतर को बड़ा करने का मौका होगा। वहीं, अश्विन की नजर लियोन को पीछे छोड़ने पर होगी। इंदौर टेस्ट में अब तक क्या–क्या हुआ?

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम इंडिया पहली पारी में 109 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 197 रन बनाए। उसे 88 रनों की बढ़त मिली। भारतीय टीम दूसरी पारी में 163 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। चेतेश्वर पुजारा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। लियोन ने आठ विकेट हासिल किए। मिचेल स्टार्क और मैथ्यू कुहनमेन को एक–एक सफलता मिली। लियोन ने रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, रवींद्र जडेजा, केएस भरत, रविचंद्रन अश्विन, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज को आउट किया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 76 रन का लक्ष्य रखा

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 76 रन का लक्ष्य रखा है। टीम इंडिया की दूसरी पारी 163 रन पर सिमट गई। पहली पारी में भारत ने 109 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 197 रन बनाए थे। कंगारूओं को 88 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने दूसरी पारी में 163 रन बनाए और इस तरह 75 रन की बढ़त हासिल की और 76 रन का लक्ष्य रखा। मोहम्मद सिराज के रूप में भारत का आखिरी विकेट गिरा। इसी के साथ अंपायर ने दूसरे दिन का खेल खत्म करने की भी घोषणा कर दी। अब ऑस्ट्रेलिया को अगले तीन दिन में 76 रन बनाने हैं।

ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन ने दूसरी पारी में 64 रन देकर आठ विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर की दूसरी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले 2017 में बेंगलुरु में लियोन ने 50 रन देकर आठ विकेट झटके थे। दूसरी पारी में भारत की शुरुआत खराब रही थी। शुभमन गिल पांच रन बनाकर लियोन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। कप्तान रोहित शर्मा 12 रन बनाकर लियोन की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए।

इसके बाद विराट कोहली भी कुछ खास नहीं कर सके और मैथ्यू कुह्नेमैन की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हो गए। रवींद्र जडेजा सात रन बनाकर लियोन का शिकार बने। इसके बाद चेतेश्वर पुजारा ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। श्रेयस ने 27 गेंदों में 26 र्शतक रहा। अश्विन को आउट कर लियोन ने 23वीं बार पारी में पांच विकेट झटके। इसके बाद लियोन ने पुजारा को भी स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया।

पुजारा 142 गेंदों पर 59 रन की जुझारू पारी खेल आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और एक छक्का लगाया। लियोन ने उमेश को ग्रीन के हाथों कैच कराया और आखिर में सिराज को क्लीन बोल्ड कर पारी में आठ विकेट झटके। लियोन के अलावा मिचेल स्टार्क और कुह्नेमैन को एक–एक विकेट मिला।

भारत के नौ विकेट गिर चुके हैं। लियोन ने पहले चेतेश्वर पुजारा को स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया। इसके बाद पुजारा ने 142 गेंदों में 59 रन की पारी खेली। अकेले पुजारा ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने जूझते दिखे। इसके बाद लियोन ने उमेश को कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। भारत की बढ़त पिलहाल 67 रन की है। लियोन अब तक दूसरी पारी में सात विकेट ले चुके हैं।

भारत को 140 के स्कोर पर छठा झटका लगा। नाथन लियोन ने रविचंद्रन अश्विन को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 16 रन बना सके। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा अर्ध शतक लगाकर और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। लियोन का यह दूसरी पारी में पांचवां विकेट रहा। इससे पहले वह रोहित, शुभमन, जडेजा, भरत को पवेलियन भेजा। भारत की बढ़त फिलहाल 50 से छठा झटका लगा। नाथन लियोन ने श्रीकर भरत को क्लीन बोल्ड किया। वह तीन रन बना सके। यह लियोन की मिली चौथी सफलता रही। इससे पहले वह रोहित, शुभमन, जडेजा को आउट कर चुके हैं। भारत की लीड अब 32 रन की हो गई है। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा और रविचंद्रन अश्विन क्रीज पर हैं। पुजारा अर्धशतक के करीब हैं।

भारत को 113 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। अच्छी

बल्लेबाजी कर रहे श्रेयस अय्यर 27 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाए। श्रेयस ने चेतेश्वर पुजारा के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी निभाई। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा और श्रीकर भरत क्रीज पर मौजूद हैं।

चायकाल तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट

रन भी बनाए, लेकिन स्टार्क की गेंद पर ख्वाजा को कैच देकर अपने विकेट गंवा दिया। श्रेयस ने पुजारा के साथ मिलकर 35 रन की साझेदारी निभाई। नाथन लियोन ने श्रीकर भरत को क्लीन बोल्ड कर भारत को छठा झटका दिया। भरत तीन रन बना सके। इस बीच पुजारा ने टेस्ट करियर का 35वां अर्ध शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उनका 16वां अर्ध ज्यादा रन की है।

चेतेश्वर पुजारा ने 46वें ओवर की पहली गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। यह उनके टेस्ट करियर का 35वां अर्धशतक है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका 16वां अर्धशतक है। भारत ने 46 ओवर में छह विकेट पर 133 रन बना लिए हैं। पुजारा 50 और अश्विन 10 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत को 118 के स्कोर पर गंवाकर 79 रन बना लिए हैं। चेतेश्वर पुजारा 36 रन और श्रेयस अय्यर खाता खोले बिना क्रीज पर हैं। इससे पहले रोहित शर्मा 12 रन, शुभमन गिल पांच रन, विराट कोहली 13 रन और रवींद्र जडेजा सात रन बनाकर आउट हो चुके हैं। नाथन लियोन ने तीन और मैथ्यू कुह्नेमैन ने एक विकेट लिया है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से नौ रन पीछे है।

भारत को दूसरी पारी में 78 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। नाथन लियोन ने रवींद्र जडेजा को एल्बीडबल्यू आउट किया। जडेजा सात रन बना सके। लियोन को मिली यह तीसरी सफलता है। इस पारी में वह जडेजा से पहले रोहित शर्मा और शुभमन गिल को आउट कर चुके हैं। वहीं, कुह्नेमैन ने विराट कोहली को आउट किया था। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा और श्रेयस अय्यर क्रीज पर हैं। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 10 रन पीछे है।

विराट कोहली के रूप में भारत को तीसरा झटका लगा। वह 13 रन बनाकर मैथ्यू कुह्नेमैन की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट गंवाकर 69 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 88 रन की बढ़त ली थी, ऐसे में भारत अब भी 19 रन पीछे है। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा 33 रन और रवींद्र जडेजा दो रन बनाकर क्रीज पर हैं।

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 19 ओवर में दो विकेट गंवाकर 44 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा 12 रन और शुभमन गिल पांच रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली क्रीज पर हैं।भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 44 रन पीछे है।

दूसरी पारी में भारत को दूसरा झटका लगा है। शुभमन गिल के बाद कप्तान रोहित शर्मा भी आउट हो चुके हैं। नाथन लियोन ने रोहित को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। रोहित 33 गेंदों में 12 रन बना सके। फिलहाल चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली क्रीज पर हैं। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 55 रन पीछे है। भारत को दूसरी पारी में पहला झटका लग चुका है।

लंच के बाद पहले ही ओवर में नाथन लियोन ने शुभमन गिल को क्लीन बोल्ड किया। वह 15 गेंदों में पांच रन बना सके। फिलहाल रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा क्रीज पर हैं। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 73 रन आगे है।

लंच तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 13 रन बना लिए हैं। फिलहाल कप्तान रोहित शर्मा पांच रन और शुभमन गिल चार रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत ने पहली पारी में 109 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 197 रन पर समाप्त हुई। इस तरह कंगारुओं ने भारत पर 88 रन की बढ़त ली थी। भारत फिलहाल ऑस्ट्रेलिया से 75 रन पीछे है।

भारत की दूसरी पारी शुरू हो चुकी है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। दोनों लंच तक भारत का कोई विकेट नहीं गिरने देने की कोशिश करेंगे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 197 रन पर समेट दिया है। आज कंगारुओं ने चार विकेट पर 156 रन से आगे खेलना शुरू किया। तब पीटर हैंड्सकॉम्ब और कैमरन ग्रीन क्रीज पर थे। इसके बाद करीब एक घंटे तक इन दोनों ने कोई विकेट नहीं गिरने दिया। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ खेल हो गया।

27 मिनट के अंदर भारत ने ऑस्ट्रेलिया के अगले छह विकेट ले लिए। 10 बजकर 40 मिनट पर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका लगा था। इसके बाद 11 बजकर सात मिनट पर ऑस्ट्रेलियाई टीम सिमट गई। भारत ने 34 गेंदों के अंदर और 11 रन बनाने में ऑस्ट्रेलिया के छह विकेट गिरा दिए।

71वें ओवर की आखिरी गेंद पर अश्विन ने पीटर हैंड्सकॉम्ब के रूप में ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया था। इसके बाद 77वें ओवर की तीसरी गेंद पर 197 रन पर ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी सिमट गई। आज अश्विन और उमेश यादव ने तीन–तीन विकेट लिए।

उमेश ने कैमरन ग्रीन (21) को एल्बीडब्ल्यू किया। इसके मिचेल स्टार्क और टॉड मर्फी (0) को क्लीन बोल्ड किया। वहीं, हैंड्सकॉम्ब (19) के अलावा अश्विन ने एलेक्स कैरी (3) को आउट किया। फिर नाथन लियोन (5) को आउट कर पूरी पारी को 197 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 88 रन की बढ़त हासिल की। इससे पहले रवींद्र जडेजा ने बुधवार को चार विकेट झटके थे। उन्होंने ट्रेविस हेड (9), उस्मान ख्वाजा (60), मार्नस लाबुशेन (31) और स्टीव स्मिथ (26) को आउट किया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का टॉप–ऑर्डर फ्लॉप

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भारत का पलड़ा भारी होने के बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन चयनकर्ताओं के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। नागपुर और दिल्ली में खेले गए मुकाबलों में भले ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर 2–0 से सीरीज में बढ़त बना ली, लेकिन इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ी रन बनाने के लिए जूझते दिखे हैं।

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा कोई भी बल्लेबाज सीरीज में कुल 100 रनों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया है। ऐसा लग रहा है मानों ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को फंसाने के लिए भारत ने जो जाल बुनी थी उसमें उसके बल्लेबाज खुद ही फंस गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों के सामने टॉप–ऑर्डर बल्लेबाजों के बल्ले से रन निकलना बंद हो गया है।

नागपुर में खेले गए पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के 263 रनों के जवाब में भारत रोहित शर्मा के 120 रनों की बदौलत पहली पारी में बढ़त बनाने के साथ मुकाबला भी जीतने में कामयाब रहा था। रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन दिया। उस मुकाबले में केएल राहुल 20 तो चेतेश्वर पुजारा सात रन पर ही पवेलियन लौट गए थे। विराट कोहली ने केवल 12 रन बनाया।

भारत के टॉप–ऑर्डर बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुरी तरह से फ्लॉप रहे हैं। नागपुर के बाद दिल्ली में भी भारतीय टॉप–ऑर्डर बल्लेबाजों की हालत खराब ही रही। नागपुर में शतक लगाने के बाद दूसरे मुकाबले में रोहित शर्मा दोनों पारियों में महज 32 और 31 रन पर ही आउट हो गए। वहीं, इंदौर में रोहित ने दोनों पारियों में 12–12 रन बनाए। केएल राहुल और किंग कोहली का बल्ला इस बार भी खामोश रहा।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा